



भारत दिसंबर २०२९ तक होगा नशा मुक्त-अमित शाह

नयी दिल्ली २१/१०
(संवाददाता): पुलिस स्मृति
दिवस के अवसर पर नई दिल्ली
में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर
पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने
देशवासियों और सुरक्षा बलों
को संबोधित किया। शाह ने
स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों
की समस्या भारत के विकास
को प्रभावित कर सकती है और
अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ
डाल सकती है। उन्होंने घोषणा
की कि गृह मंत्रालय ने अगले
3.5 वर्षों (2026) के शेष समय
से लेकर 2027, 2028 और
2029) के भीतर नशे के
खिलाफ व्यापक और एकीकृत
अभियान चलाने का संकल्प
लिया है। शाह ने सभी राज्यों
की पुलिस और एजेंसियों से
अपील की कि वे एकजुट होकर
31 दिसंबर 2029 तक भारत
को पूरी तरह नशामुक्त बनाने
के मिशन में जुट जाएं। शाह ने
कहा, देश अभी भी सभी



चुनौतियों से मुक्त नहीं हुआ है; हमारे सामने अभी भी कई मुद्दे हैं। उन्होंने आगे कहा, भारत सरकार के गृह मंत्रालय नक्सल कल्प लिया है कि अगले 3.5 वर्षों में - यानी 2026 के बचे हुए समय के साथ-साथ 2027, 2028 और 2029 में - हम नशीले पदार्थों की समस्या के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे। हमारा लक्ष्य 31 दिसंबर 2029 तक देश को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाना है। भारत को नक्सल-मुक्त बनाने में पुलिसकर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हुए, केंद्रीय मंत्री

ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों के जवानों ने भारत के लोकतंत्र की रक्षा करने और सोचातंत्रिक प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि CAPFs और पुलिसकर्मियों के बिना यह संभव नहीं हो पाता। शाह ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य की इतिहास में यह पहली बार था जब चुनाव से जुड़ी हिंसा में एक भी व्यक्ति की जान नहीं

गाई। उन्होंने कहा कि उज्जर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी चुनाव से जुड़ी हिंसा को खत्म करने में CAPFs और पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले कुछ वर्षों में, देश के सामने कई चुनौतियाँ थीं। इनमें से तीन ऐसी थीं जो दशकों से बनी हुई थीं और हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर हॉटस्पॉट मानी जाती थीं- कश्मीर, पूर्वोत्तर, और रेड टेरेर (नक्सलवाद) से प्रभावित क्षेत्र। आज, इन तीनों ही जगहों पर शांति है... कश्मीर में, हमने आतंकवाद पर लगाम लगाने में काफी हद तक सफल रहे हैं, शाह ने कहा। उन्होंने आगे कहा, कई शांति समझौतों और हजारों लोगों द्वारा हथियार डाल देने के बाद, पूरा पूर्वोत्तर अब शांति की राह पर है। हमारी पुलिस और और CAPF के जवानों ने नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह खत्म करने में बड़ी सफलता हासिल की है - एक ऐसी

समस्या जो कई राज्यों में पांच दशकों से बनी हुई थी उन्होंने 2018 में नेशनल पुलिस मेमोरियल% का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सहायता की। यह स्मारक देश भर के उन पुलिसकर्मियों के को सज्जमान देने के लिए बनाया गया है, जो अपनी ड्यूटी के दौरान शहीद हुए। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण स्थल हमें उनके बलिदानों से प्रेरणा लेने में मदद करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा, आजादी के लगभग 8 दशकों में, हमारा देश वैश्विक मंच पर एक सज्जमानजनक स्थान पर पहुंच गया है। इस उपलब्धि की नींव में हमारे बहादुर जवानों का बलिदान है। कोई शायद ही कल्पना कर सकता है कि अगर इन बहादुर पुरुषों और महिलाओं ने हमारी आंतरिक सुरक्षा और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान न दिया होता, तो आज हम कहां खड़े होते।

दिल्ली एयरपोर्ट पर भगवंत मान पर ५० हजार का जुर्माना, आप ने केन्द्र पर लगाया गंभीर आरोप

नयी दिल्ली २१/१०
(संवाददाता): आम आदमी
पार्टी का आरोप है कि फ्रांस से
लौटते समय दिल्ली एयरपोर्ट पर
मुख्यमंत्री भगवंत मान को तीन
घंटे तक रोके रखा गया और
उन पर 50,000 रुपये का
जुर्माना लगाया गया। शेरयार
किए गए एक वीडियो संदेश
में, आप पंजाब के मीडिया
प्रभारी बलतेज पन्तू ने आरोप
लगाया कि मुख्यमंत्री को
जानबूझकर अपमानित किया
गया और रात के समय दिल्ली
एयरपोर्ट पर तीन घंटे तक रोके
रखा गया। पन्तू ने दावा किया
कि मान को एयरपोर्ट पर
इसलिए रोका गया क्योंकि वे
कोर्ट के आदेश पर पेरिस गए
थे, जबकि प्रधानमंत्री उन्हें भारत
से बाहर जाने से रोकने की
कोशिश कर रहे थे। आप प्रवक्ता
ने दावा किया कि और वहां से
निकलने के बाद, उन पर 50
हजार रुपये का जुर्माना लगा
दिया गया। उन्होंने आरोप
लगाया कि केंद्र पंजाबियों का
अपमान करने का कोई मौका
नहीं छोड़ता। पन्तू ने आरोप
लगाया कि अब तक पंजाब के
मुख्यमंत्री को कम से कम चार
बार विदेश जाने से रोका जा



युका है। हालाँकि, इस बार वे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश पर परिसर में। पन्नी ने दावा किया कि वे (मान) दुनिया के दूसरे सबसे बड़े खाद्य महोत्सव में पंजाब के मशहूर उत्पादों को पेश करने के लिए वहाँ गए थे। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि मान को उनका उचित प्रोटोकॉल दिया जाए, लेकिन केन्द्र की मंशा इतनी खराब थी कि परिसर में मौजूद कॉन्सल जनरल भी मुख्यमंत्री से मिलने नहीं आए। उन्होंने दावा किया कि मान को इस बहाने इंतज़ार करवाया गया कि उनका सामान अभी आ रहा है और अभी उसकी जाँच हो रही है। उन्होंने दावा किया कि तीन घंटे बाद, जब मान को जाने की अनुमति मिली और वे अपना सामान

एक गाड़ी में रखकर जाने ही वाले थे, तो अधिकारी दौड़ते हुए उनके पास आए और कहा कि उन पर %ऊपर से भारी दबाव% है। पन्नों ने आगे कहा कि इसके बाद उन्होंने 50,000 रुपये का चालान काट दिया। अधिकारियों ने खुद माना कि वे दबाव में थे, जिससे साबित होता है कि यह पूरी घटना ऊपर से मिले आदेशों के तहत हुई थी। दिल्ली एयरपोर्ट के कस्टम विभाग के सूयों के अनुसार, 50,000 रुपये के कस्टम शुल्क लगाया गया क्योंकि वे अपने सामान में मौजूद कुछ चीजों की जानकारी (डिज़्लेयर) नहीं दे पाए थे। उन्होंने यह भी बताया कि मानक सऊ उनका स्टाफ भी जाँच और उनके सामान की भी जाँच की गई थी।

सपा राज में हुए ८१५ दंगे, भाजपा सरकार ने पुलिस को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया-योगी

लखनऊ २१/१०
(संवाददाता): उज्जर प्रदेश के
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने
बुधवार को समाजवादी पार्टी
(सपा) की पूर्ववर्ती सरकार पर
पुलिस के कामकाज में
राजनीतिक हस्तक्षेप करने और
अपराधियों को संरक्षण देने का
आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष
2012 से 2017 के बीच राज्य
में 815 दंगे हुए थे। आदित्यनाथ
ने यहां पुलिस स्मृति दिवस
समारोह को संबोधित करते हुए
अपराध के प्रति सरकार की
किसी प्रकार की कोई नरमी
नहीं बरतने की नीति का जिक्र
किया और कहा कि वर्ष 2017
में भारतीय जनता पार्टी
(भाजपा) की सरकार बनने के
बाद पुलिस को राजनीतिक
दबाव से मुक्त किया गया।
मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया,
“एक समय था जब थानदार
या पुलिस अधीक्षक भी किसी
अपराधी के खिलाफ कार्रवाई
करने से पहले कई बार सोचते
थे। पुलिस किसी अपराधी को
पकड़ती थी तो सजा के



गलियारों से फोन आने लगते थे और कुछ ही घंटों में अपराधी के बजाय पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हो जाती थी।" आदित्यनाथ ने दावा किया कि पहले पुलिसकर्मियों से अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सजाधारी लोगों के निजी हितों के लिए काम कराया जाता था। उन्होंने कहा कि उस समय थाणों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं थीं और प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) की कंपनियों को बंद करने की कोशिशों की गई थीं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अपराधियों के पास स्वचालित हथियार होते थे, जबकि पुलिसकर्मों जंग लगी राइफलों के सहारे उनसे मुकाबला करने

को मजबूत थे।
 मुख्यमंत्री ने पुलिस
 मुठभेड़ों की कथित घटनाओं
 और सरकार की सत्त का र्वारवाई
 की आलोचना करने वालों पर
 निशाना साधते हुए कहा कि कुछ
 लोगों को माफिया और
 आतंकवादियों की मौत पर दुख
 होता है लेकिन अपराधियों के
 हाथों शहीद होने वाले
 पुलिसकर्मियों व अनाथ होने
 वाले उनके बच्चों के प्रति उम्मेद
 वैसी संवेदना नहीं दिखती।
 उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली
 सरकार के कार्यकाल में व्यापारियों
 के अद्वहण और महिलाओं के
 सार्वजनिक अपमान जैसी
 घटनाओं पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं
 दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा
 कि वर्ष 2012 से 2017 के बीच
 हुए 815 दंगों से गरीबों, दिहाड़ी
 मजदूरों और बच्चों की पढ़ाई
 पर प्रतिकूल असर पड़ा था।
 उन्होंने मथुरा के जवाहर बाग
 कांड का भी उल्लेख किया और
 आरोप लगाया कि
 अतिक्रमण कार्रवायों को
 राजनीतिक संरक्षण मिला था।

**भाजयुमो में शगुन परिहार समेत सात उपाध्यक्ष नियुक्त,
मैथिली ठाकुर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल**

नयी दिल्ली २१/१०
(संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को अपने युवा मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति करते हुए सात युवा नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा तीन अन्य को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष एवं वडोदरा से सांसद हेमांग जोशी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। जोशी ने एक बयान में कहा, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने निर्देशानुसार, निम्नलिखित सदस्यों को भाजपा युवा मोर्चा का राष्ट्रीय पदाधिकारी नियुक्त किया जा रहा है और उन्हें अन्य जिम्मेदारियां भी सौंपी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए



सात नेताओं में जम्मू-कश्मीर की विधायक शगुन परिहार और पश्चिम बंगाल के विधायक सोमैन करफा शामिल हैं। इनके अलावा, उज्जर प्रदेश से निखिल मणि तिवारी, नगालैंड से अरविंद दमाना, तेलंगाना से मालोत कोमाला नाइक, बिहार से राजेंद्र सिंह और छत्तीसगढ़ से भूपेंद्र नाग को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

भाजपा ने बिहार की विधायक और लोकप्रिय लोक गायिका मैथिली ठाकुर को भी युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया है।

उन्के साथ विभिन्न राज्यों के 33 अन्य सदस्यों को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए गए नेताओं में ओडिशा की अर्पिता अपराजिता बडजेना, उत्तर प्रदेश के हर्षवर्धन सिंह और आंध्र प्रदेश के मित्र वामशी कृष्णा शामिल हैं। असम के बिस्वजीत खांडड, मध्यप्रदेश के आशीष झाला, महाराष्ट्र की सयाली रघुनाथ कुलकर्णी, राजस्थान के हिमांशु शर्मा, पंजाब के सरदार अमरनाजोत ब्राड, झारखंड के अमन यादव और बिहार के राहुल झा राष्ट्रीय सचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। उत्तर प्रदेश के विनीत वत्स त्यागी को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि राजस्थान के देवव्रत सिंह राजावत को राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोलकाता के चोरबगान पूजा पंडाल भगदड़ की
जांच हेतु कमिटी गठित, १९ की हुई थी मौत

कोलकाता २१/१०
(संवाददाता): पश्चिम बंगाल सरकार ने उच्च कोलकाता के चौरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर को हुई भगदड़ में की जांच के लिए बुधवार को छह सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। इस घटना में 19 लोगों की मौत हो गई थी और 25 अन्य सचिव घायल हुए थे। मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनंदिता राय सरस्वती की अध्यक्षता वाली एसआईटी को तीन महीने के भीतर राज्य सरकार को अपनी जांच रिपोर्ट और और सिफारिशें सौंपने को कहा गया है। आदेश में कहा गया है कि एसआईटी का गठन कलकत्ता उच्च न्यायालय के परामर्श से किया गया है। इसमें कहा गया है कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश के अलावा, एसआईटी में आपदा प्रबंधन एकाग्रिक सुरक्षा विभाग के प्रधान सचिव, विशेष कार्य बल के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस

महानिरीक्षक शामिल होंगे। इसके अलावा इसमें (एसआई टी में) पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुख का एक प्रतिनिधि जोकि अतिरिक्त महानिदेशक स्तर से नीचे का नहीं हो, व गुह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग का एक प्रतिनिधि जोकि संयुक्त सचिव स्तर से नीचे का नहीं हो तथा कोलकाता स्थित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआर एफ) का एक प्रतिनिधि शामिल होगा। आदेश में कहा गया है, “दल भगदड़ से पहले की घटनाओं के क्रम की जांच करेगा। इसमें भीड़ के अचानक बढ़ने की शुरुआत के कारणों, घटनास्थल पर मौजूद लोगों की संख्या और इस बात की जांच शामिल है कि क्या भीड़ निर्धारित सुरक्षित क्षमता से अधिक थी।” आदेश के अनुसार, एसआईटी अत्यधिक भीड़, प्रतिकूल मौसम, प्रवेश द्वारों के प्रबंधन, अफवाहों, जिनजली की खराबी और प्रवेश एवं निकास की अपर्याप्त व्यवस्था की संभावित भूमिका की भी जांच करेगी।

पोलैंड के राष्ट्रपति पहुंचे दिल्ली, पीएम मोदी संग करेंगे रणनीति वार्ता

नयी दिल्ली २१/१०
(संवाददाता): पोलैंड के
प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क भारत
की तीन दिवसीय यात्रा पर
बुधवार को नयी दिल्ली पहुंचे।
इस यात्रा के दौरान वह
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ
वार्ता करेंगे और दोनों देशों के
बीच रणनीतिक साझेदारी को
और गहरा करने के उपाय
तलाशेंगे। पोलैंड के प्रधानमंत्री
के तौर पर टस्क की भारत की
यह दूसरी यात्रा है। इससे पहले,
वह २०१० में अपने पिछले
कार्यकाल के दौरान भारत आए
थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्त
रणधीर जायसवाल ने 'एजेंस
पर पोस्ट किया, "पोलैंड के
प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के
नयी दिल्ली आगमन पर उनका
हार्दिक स्वागत है। हवाई अड्डे
पर राज्य मंत्री डॉ. राज भूषण
चौधरी ने उनका स्वागत किया।



यह यात्रा भारत-पोलैंड
रणनीतिक साझेदारी को नयी
गति प्रदान करेगी और हमारे
अतिरिक्तकालिक संबंधों को और
अधिक मजबूत बनाएगी।
विदेश मंत्रालय ने पहले कहा
था कि टस्क 22 अक्टूबर को
मोदी से मुलाकात करेंगे। इस
दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों
के सभी पहलुओं का जायजा
लेंगे। अगस्त 2024 में मोदी
को पोलैंड द यात्रा के दौरान
द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक
साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया

गया था। विदेश मंत्रालय को
और से बुधवार को जारी बयान
के अनुसार, पोलैंड के प्रधानमंत्री
बृहस्पतिवार सुबह विदेश मंत्री
एस जस्योव्स्क से मुलाकात करेंगे
इसके बाद वह राजघाट जाएंगे
और महात्मा गांधी की समाधि
पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।
बयान के मुताबिक, राजघाट से
टस्क हैदराबाद हाउस जाएंगे,
जहां वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ
बातचीत करेंगे। दोनों नेता प्रस्थान
के लिए संयुक्त बयान भी जारी
करेंगे।

विदेश में तख्तापलट की कोचिंग ले रहे राहुल गांधी-भाजपा

भुवनेश्वर २१/१०
(संवाददाता): बीजेपी प्रवक्ता
संबित पात्रा ने विपक्ष को आड़े
हाथों लिया है। संबित पात्रा ने
कहा कि कल विजयादशमी को
अक्सर प्र प्रधानमंत्री ने एक
बहुत ही महत्वपूर्ण बयान दिया
अपने विजयादशमी संबोधन में,
प्रधानमंत्री ने उन लोगों के बारे
में बात की जो देश के सम्मान
और गौरव को नुकसान पहुँचाते
हैं, जो देश को बांटने की
साम्राज्य रचते हैं, और जो हमारी
संस्कृति के प्रति नफरत रखते
हैं—ये भारत के दुश्मन हैं। कल
प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि
भारत के दुश्मन कौन हैं। भारत
का दुश्मन वह है जो किसी
दूसरे देश में जाकर यह निर्देश
लेता है कि भारत में
लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई
सरकार को कैसे गिराया जाए।

उन्होंने कहा कि भारत का दुश्मन वह व्यक्ति है जो विदेश जाकर वहां की ताकतों से यह सीखता है कि भारत में



तज्ज्ञापलट कैसे किया जाए -
 कै से आगजनी और हिंसा
 भडकाई जाए, संसद में कैसेसे आग
 लगाई जाए, और चुनावों में
 को सुचारु रूप से होने से कैसेसे
 रोका जाए। जो हमारे संवैधानिक
 संस्थानों को खत्म और नष्ट करना
 चाहता है - वह व्यक्ति भारत
 का दुश्मन है। उन्हें बर्खा नहीं
 जाना चाहिए। जो लोग यह तर्क
 देते हैं कि धार्मिक कट्टरता से
 निपटने के लिए भारत में सज्जा
 परिवर्तन जरूरी है - वे भारत
 के दुश्मन हैं। उनके साथ भारत
 के दुश्मनों जैसा ही बर्ताव किया
 जाना चाहिए। पात्रा ने कहा कि



कल संजय राउत ने अल्बानिया की पार्लियामेंट की जलती हुई तस्वीर को दिखाया और कहा कि भारतवर्ष के सुप्रीम कोर्ट और पार्लियामेंट भी जलना चाहिए संजय राउत का कहना था कि राहुल गांधी विदेश गए हैं, जब वो आएंगे तो आप देखिए कि क्या होगा, जलजला होगा। उन्होंने कहा कि इनके सरगना राहुल गांधी विदेश गए हैं। वो सोरोस एंड कंपनी से कोचिंग ज्लास attend करने गए हैं कि किस प्रकार भारत को नष्ट किया जाए, किस प्रकार भारतवर्ष में तत्ता पलट किया जाए, कहा

उत्तरे चूक रह गई। कोशिश तो पूरी की थी, मगर भारतवर्ष के लोगों ने साथ नहीं दिया। सबित पात्रा ने कहा कि पूरे देश में एक खास नैरेटिव (धारणा) बनाया जा रहा था। ऐसा दिखाया जा रहा था कि कुछ लोग बस भारत का राष्ट्रीय ध्वज—तिरंगा—फहराना चाहते हैं, और भारत सरकार इतनी तानाशाही है कि बस उन्हें ऐसा करने से रोक रही है। कुछ लोगों ने पूरे देश में इस नैरेटिव को फैलाने की कोशिश की। हमेशा की तरह कुछ लोगों ने भारत की जनता को गुमराह करने की कोशिश की और दावा किया कि इन लोगों को सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया गया और न्यायिक हिरासत (ज्यूडिशियल कस्टडी) में भेजा गया, क्योंकि वे तिरंगा फहराना चाहते थे। लेकिन आज, आशुतोष रंका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत से जुड़ी सुनवाई के दौरान, दिल्ली हाई कोर्ट ने कुछ सवाल उठाए। उन्होंने

कहा कि पूरे देश को यह साफ हो जाना चाहिए कि उन्हें तिरंगा पहनने की इच्छा रखने की वजह से न्यायिक हिरासत में नहीं भेजा गया था। बल्कि, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे उस पीस बॉन्ड (शांति समझौते) की शर्तों का पालन करने में विफल रहे, जिस पर उन्होंने पहले हस्ताक्षर किए थे। जब उन्हें पहली बार हिरासत में लिया गया था, तब उन्होंने एक %पीस बॉन्ड% पर दस्तखत किए थे। इसमें उन्होंने यह गारंटी दी थी कि रिहा होने के बाद वे ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जिससे अशांति फैले... जिससे देश की शांति भंग हो सकती हो। फिर भी, रिहाई के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने अपने %पीस बॉन्ड% का उल्लंघन कर दिया—यह बात आज सामने आई है। वे जो विजिटम कार्ड% (खुद को पीड़ित बताते का दांव) खेद रहे थे, उसने दिल्ली हाई कोर्ट के सवालों ने पूरी तरह से बेअसर कर दिया है।



विविध समाचार



तिहाड़ जेल से रिहा हुए सीजेपी नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका, कोर्ट में दिया शांति बनाए रखने का हलफनामा

नयी दिल्ली २१/१० (संवाददाता): दिल्ली में एक विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट (एसईएम) ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को रिहा करने का आदेश दिया। दोनों ने हलफनामा दिया कि वे शांति भंग नहीं करेंगे और जब तक जंतर-मंतर अधिसूचित धरना स्थल नहीं है, तब तक वहां विरोध प्रदर्शन का आह्वान नहीं करेंगे। दोनों को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके और जमानतदार पेश करने का निर्देश दिया गया। दोनों ने मुचलके भर दिए, जिसके बाद विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य कर रहें सहायक पुलिस आयुक्त (एसपी) रितु राज ने काँजपा नेताओं को तिहाड़ जेल से रिहा करने का आदेश दिया। इससे पहले पुलिस ने दास और रांका की न्यायिक हिरासत तीन दिन बढ़ाने का अनुरोध किया था। पुलिस ने दलील दी थी कि दोनों के पिछले आचरण और मीडिया में दिए गए बयानों को देखते हुए शांति भंग होने तथा कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। पुलिस ने यह भी दलील दी कि दास

और रांका ने इसी तरह की गतिविधियों से दूर रहने की अपनी इच्छा को लेकर अदालत और मीडिया के सामने विरोधाभासी बयान दिए थे। वहीं, काँजपा ने दास और रांका की रिहाई का स्वागत किया। संगठन की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने कहा कि यह फैसला पहले ही आ जाना चाहिए था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, “...लेकिन अब भी देर नहीं हुई है।” सिंह ने कहा कि पार्टी के सदस्य भावुक हैं और दास तथा रांका से मिलने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, “टीम भी इस समय बहुत भावुक है। वे उनसे मिलना चाहते हैं, क्योंकि काफी समय से किसी की उनसे मुलाकात नहीं हुई है।” सिंह ने उम्मीद जताई कि भविष्य में जमानतदारों से जुड़ी समस्याओं या तकनीकी कारणों से किसी की स्वतंत्रता पर अंकुश नहीं लगाया जाएगा। सुनवाई के दौरान पुलिस ने काँजपा के एक अन्य सदस्य के उस बयान का भी हवाला दिया, जो पिछली सुनवाई के बाद नेताओं को तिहाड़ जेल ले जाते समय मीडिया में दिया गया था। पुलिस ने दलील दी कि इस



बयान से विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) की अदालत की अवमानना हुई। दास और रांका के वकील ने बिना शर्त माफी मांगी और अदालत को आश्वासन दिया कि इस तरह का आचरण दोबारा नहीं किया जाएगा। हालांकि, मजिस्ट्रेट ने कहा कि शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्काल निवारक उपायों की जरूरत दोनों नेताओं से मुचलके भरवाकर और उनके लिखित हलफनामे लेकर पर्याप्त रूप से पूरी की जा सकती है। अदालत ने कहा कि उसके समक्ष दिए गए आश्वासनों को देखते हुए इस चरण में दोनों को आगे न्यायिक हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं है। दास और रांका ने अपने अलग-अलग

हलफनामों में शांति भंग नहीं करने का वादा किया और एसईएम अदालत सहित न्यायपालिका तथा उसकी संस्थाओं में विश्वास जताया। उन्होंने विशेष रूप से आश्वासन दिया कि जब तक कानून के अनुसार जंतर-मंतर अधिसूचित धरना स्थल नहीं है, तब तक वे वहां विरोध प्रदर्शन का आह्वान नहीं करेंगे। दोनों ने कहा कि उनके द्वारा किया जाने वाला कोई भी विरोध प्रदर्शन संवैधानिक दायरे में रहेगा। मजिस्ट्रेट ने जांच अधिकारी को अगली सुनवाई पर जमानतदारों के सत्यापन की रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

दोनों नेताओं और उनके जमानतदारों को भी अगली सुनवाई पर उपस्थित रहने को कहा गया है। अदालत ने दास

और रांका को कार्यवाही की प्रत्येक तारीख पर उपस्थित रहने और अपने मुचलकों तथा स्वेच्छा से दिए गए हलफनामों की शर्तों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। आदेश में कहा गया कि जांच कानून के अनुसार जारी रहेगी।

मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को अपराह्न तीन बजे निर्धारित की गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सौरव दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत से रिहा करने संबंधी विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। केजरीवाल ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, “आशुतोष और सौरव को जमानत मिलने पर बहुत बधाई ऐसे ही देश के लिए संघर्ष करते रहें। पूरा देश आपके साथ है।” भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजित पात्रा ने कहा कि दास और रांका को राष्ट्रीय ध्वज फहराने की कोशिश करने के लिए नहीं बल्कि शांति बनाए रखने के बाँण्ड का उल्लंघन करने के कारण न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। जंतर-मंतर के

गैर-अधिसूचित विरोध स्थल में कथित तौर पर प्रवेश और शांति बनाए रखने के लिए दिए गए बाँण्ड का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिए जाने के बाद दोनों को 14 अक्टूबर को शुरुआत में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

अदालत ने 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत दो दिन के लिए बढ़ा दी थी, जो बुधवार को समाप्त होनी है। इससे पहले दिन में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने दास और रांका की न्यायिक हिरासत के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत ने उन्हें एसईएम के समक्ष निर्धारित सुनवाई के नतीजे का इंतजार करने और शिकायत बरकरार रहने पर अपीलीय अदालत का रुख करने को कहा था।

प्रदर्शनों के दौरान शांति भंग होने और सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर, संसद मार्ग थाने की पुलिस ने निवारक कार्रवाई के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धाराओं 126 और 170 के तहत दोनों नेताओं के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी।

परमिंदर सिंह झोटा हत्याकांड

की जांच सीबीआई करेगी

नयी दिल्ली २१/१० (संवाददाता): पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 20 अक्टूबर को घोषणा की कि परमिंदर सिंह झोटा हत्याकांड की जांच सेंट्रल ज्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को सौंपी जाएगी। १५% पर एक पोस्ट में, मान ने कहा कि राज्य सरकार परमिंदर सिंह झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ खड़ी है, जो नशीले पदार्थों के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ रहे परमिंदर सिंह झोटा के पिता और उनके परिवार के साथ हर कदम पर मजबूती से खड़े हैं। परिवार की मांग को मानते हुए, हम यह मामला CBI को सौंप रहे हैं।

मान ने पंजाब में नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने

कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ हमारी लड़ाई निर्णायक है।

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए जो भी कड़े कदम उठाने की जरूरत होगी, हम पीछे नहीं हटेंगे।

नितिन नबीन ने पीएम मोदी के विकास विजन पर दिया जोर

नयी दिल्ली २१/१० (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को १%एक भारत, श्रेष्ठ भारत% के विजन को आगे बढ़ाने में भारतीय जनसंघ के सदस्यों की भूमिका को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भारत में गोवा के विलय और पश्चिम बंगाल में हुए घटनाक्रमों के संबंध में उनके प्रयासों को भी याद किया। यहाँ एक सभा को संबोधित करते हुए, नबिन ने कहा कि जनसंघ ने अपने संस्थापक और नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद भी, उनके द्वारा बताए गए १%अखंड भारत% के विजन को बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि आज, जब मुझे विभिन्न विषयों पर चर्चा सुनने और इतिहास के कई महत्वपूर्ण पड़ावों पर विचार करने का मौका मिला, तो मुझे एहसास हुआ कि इस पूरे दौर में – चाहे वह गोवा का मामला हो या पश्चिम बंगाल का – जनसंघ ने ही १%एक भारत, श्रेष्ठ भारत% के विजन को आगे बढ़ाने का काम किया। यह एक ऐसा विजन था जिसे हमारे विचारक और नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखा था। उनके निधन के बाद भी, जनसंघ ने उनके संकल्प को आगे बढ़ाना जारी रखा। 1961 में गोवा को भारत में शामिल करने की बात हो, या पश्चिम बंगाल की वह स्थिति जहाँ हिंदू-बहुल इलाकों को

मनरेगा की जगह वीबी-जी-राम जी लाना सामाजिक सुरक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक-कांग्रेस



नयी दिल्ली २१/१० (संवाददाता): कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने १%महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम% (मनरेगा) की जगह १%विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम लाकर, ग्रामीण भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक तरह की सर्जिकल स्ट्राइक की है। 20 अक्टूबर को १५% पर एक पोस्ट में, रमेश ने महाराष्ट्र में कथित अनियमितताओं की खबरों का जिक्र किया। महाराष्ट्र के कई जिलों में, जिनमें बीड भी शामिल है, पिछले एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि इस नई योजना ने संकट के समय ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाले सहारे को कमजोर कर दिया है।

उन्होंने लिखा कि महाराष्ट्र के बीड और अन्य जिलों में पिछले एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। ऐसे बेहद मुश्किल समय में मनरेगा एक तरह से सहारे की गारंटी था। लेकिन इसकी जगह डूँकृत ऋतु को लाना, ग्रामीण भारत को सुरक्षा देने वाले सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक १%सर्जिकल

स्ट्राइक% से कम नहीं है। स्कॉल की एक विस्तृत जमीनी जांच का हवाला देते हुए, रमेश ने आरोप लगाया कि कई ग्रामीणों ने महीनों से कोई काम नहीं किया है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें काम पर लगा हुआ दिखाया गया है। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय राजनेता – जो कथित तौर पर सजाधारी दल से जुड़े हैं – मजदूरों की मजदूरी हड़प रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्कॉल के एक रिपोर्टर की इस विस्तृत जमीनी जांच से पता चला है कि ज्यादातर ग्रामीणों ने महीनों से कोई काम नहीं किया है, जबकि कागजों पर उन्हें काम करते हुए दिखाया गया है। इसके बजाय, स्थानीय राजनेता उनकी मजदूरी अपनी जेब में डाल रहे हैं – और इसमें कोई शक नहीं कि ये लोग सजाधारी दल से जुड़े हैं। रमेश ने उजर प्रदेश और भारतीय जनता पार्टी (ब्रह्मक) शासित अन्य राज्यों में सामने आए फर्जी उपस्थिति और जलोन एप्लिकेशन से जुड़े घोटालों का भी हवाला दिया। उन्होंने इसे सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मजदूरों की मजदूरी की व्यवस्थित चोरी करार दिया और सरकार पर ग्रामीण मजदूरी चोरी को पूरी तरह से अंजाम देने का आरोप लगाया।

उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश निकाय चुनाव में उमीदवारों

की अंतिम सूची जारी करने पर 26 अक्टूबर तक रोक लगाई

२१/१० (संवाददाता): उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग को बुधवार को निर्देश दिया कि वह राज्य में होने वाले शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची 26 अक्टूबर तक प्रकाशित नहीं करे। यह अंतिम सूची बुधवार को जारी की जानी थी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने “प्रथम दृष्टया यह दिखाया है” कि उसके कई उम्मीदवारों को लगभग 100 शहरी स्थानीय निकाय के चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने से रोका गया था। अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश



दिया कि वह वाईएसआरसीपी और अन्य उम्मीदवारों की उन शिकायतों पर विचार करे जिनमें उन्होंने संबंधित सबूत पेश करते हुए कहा है कि उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने से रोका गया था। अदालत ने आयोग को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने के संबंध में बृहस्पतिवार तक फैसला लेने का भी निर्देश दिया। पीठ ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों और निर्वाचन

कार्यालयों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया। उसने कहा कि नामांकन पत्र दाखिल करना स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का एक महत्वपूर्ण पहलू है। पीठ ने राज्य निर्वाचन आयोग से यह सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने को भी कहा कि वाईएसआरसीपी और अन्य उम्मीदवारों के मन में राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने को लेकर कोई आशंका न रहे। पीठ ने आंध्र

नारी शक्ति वंदन एक्ट पर विपक्ष की दो टूक, खरगे बोले-मौजूदा सीटों पर फौरन मिला महिला कोटा

नयी दिल्ली २१/१० (संवाददाता): कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि सरकार परिसीमन का इंतजार किए बिना, सदन की मौजूदा संज्ञा के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर सकती है। कर्नाटक के कलबुर्गी में बोलते हुए, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। खड़गे ने कहा कि आप महिलाओं के लिए एक-सतिहाई आरक्षण अभी लागू कर सकते हैं। सदन की मौजूदा संज्ञा या वर्तमान परिसीमन को देखते हुए, आप आसानी से एक-तिहाई सीटें उनके लिए आरक्षित कर सकते हैं। आपको कौन रोक



रहा है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को बदनाम करने के लिए इस मामले का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने पहले भी इस कानून का समर्थन किया था। सितंबर 2023 में संसद के एक विशेष सत्र में पारित १%नारी शक्ति वंदन अधिनियम% के जरिए संविधान में संशोधन किया गया, ताकि

लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जा सकें।

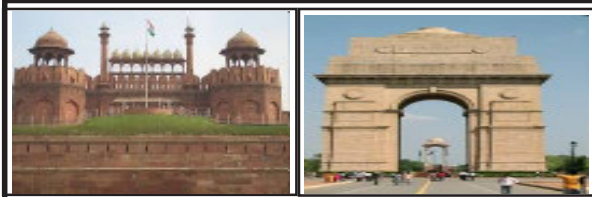
खरगे ने आगे कहा कि यह पूरी तरह से दूसरों को बदनाम करने और विपक्ष की छवि खराब करने की एक चाल है। अगर हमें इसका विरोध ही करना होता, तो हम पहले इस कानून को पास कराने की

कोशिश ज्यों करते? यह प्रधानमंत्री मोदी की एक और चाल है; वे झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हुए अपने इस एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इससे पहले, 16 अक्टूबर को खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को चौथा पत्र लिखकर मांग की थी कि परिसीमन प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और संसद में पेश करने से पहले सभी दलों की एक बैठक बुलाई जाए।

उन्होंने सरकार के उस पिछले प्रयास का जिक्र किया, जिसमें अप्रैल 2026 में १%परिसीमन संवैधानिक संशोधन विधेयक% पेश करने की कोशिश की गई थी। यह विधेयक लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और स्पष्ट अंतर से गिर गया।

कर पाने के कारण 17 अप्रैल को गिर गया था। खड़गे ने याद दिलाते हुए कहा कि आपको शायद याद होगा कि मैंने सबसे पहले 11 अप्रैल 2026 को आपको पत्र लिखकर आग्रह किया था कि परिसीमन से जुड़ा कोई भी संवैधानिक संशोधन विधेयक लाने से पहले सभी दलों की एक बैठक बुलाई जाए। आपने ऐसा नहीं किया। इसके बाद, 14 अप्रैल 2026 की देर शाम आपने इन विधेयकों को सार्वजनिक किया और 16 अप्रैल 2026 को एक विशेष सत्र बुलाया। परिसीमन से जुड़ा यह संवैधानिक संशोधन विधेयक 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और स्पष्ट अंतर से गिर गया।

उन्होंने कहा कि आज, जब मुझे विभिन्न विषयों पर चर्चा सुनने और इतिहास के कई महत्वपूर्ण पड़ावों पर विचार करने का मौका मिला, तो मुझे एहसास हुआ कि इस पूरे दौर में – चाहे वह गोवा का मामला हो या पश्चिम बंगाल का – जनसंघ ने ही १%एक भारत, श्रेष्ठ भारत% के विजन को आगे बढ़ाने का काम किया। यह एक ऐसा विजन था जिसे हमारे विचारक और नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखा था। उनके निधन के बाद भी, जनसंघ ने उनके संकल्प को आगे बढ़ाना जारी रखा। 1961 में गोवा को भारत में शामिल करने की बात हो, या पश्चिम बंगाल की वह स्थिति जहाँ हिंदू-बहुल इलाकों को



विविध समाचार



कफ बढ़ने से होते हैं 28 रोग इन चीजों से बचें

वात और पित के साथ शरीर में कफ का संतुलन सही होना जरूरी है। कफ के बढ़ने पर 28 प्रकार के रोग आपको घेर सकते हैं। लेकिन इनसे बचने के लिए आपको ऐसी चीजों से बचना होगा, जो कफ पैदा करती हैं या कफ को बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कौन सी चीजें कफ में ल आएं और किन चीजों का सेवन करें -

वसायुक्त चीजें

वसायुक्त चीजों का सेवन कफ बढ़ाने का काम करती है इसलिए जितना हो सके इनसे बचने की कोशिश करें।

दूध

दूध कफ को बढ़ाता है। अगर आपकी कफ प्रकृति है तो आपको दूध का सेवन कम करना चाहिए या फिर हल्दी के साथ इसका सेवन करें।

मांस

कफ बढ़ने पर मांस का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कफ होने पर मांस का सेवन करने से बचें और अगर कफ की तासीर हो तो मांस का सेवन कम से कम करें।

मक्खन

मक्खन में वसा अधिक होता है, इसलिए यह कफ बढ़ाने का काम करता है। कफ की समस्या में मक्खन या मक्खन युक्त चीजों का सेवन न करें।

पनीर

पनीर से कफ तो बनता ही है, कई लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी हो सकती है क्योंकि कुछ लोगों को पनीर आसानी से नहीं पचता। इसलिए अतिसेवन न करें।

क्या खाएं

- सुबह या दिन के भोजन के बाद गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, यह कफ को कम करने के साथ ही पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।
- तुलसी, सीट, अदरक और शहद जैसे चीजों का सेवन कफ को कम करने में बहुत फायदेमंद होता है, तो इन्हें किसी भी तरह से डाइट में शामिल करें।



दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी

दिमाग बढ़ाने वाली सख्तियों से भरपूर डाइट लेने के अलावा शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तनाव कम लेना, हाइड्रेटेड रहना और पर्याप्त नींद लेकर भी दिमाग के कामकाज में सुधार किया जा सकता है और सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

दिमाग शरीर का एक मुख्य अंग है जिसका काम सोचना-समझना, याद रखना, नया सीखना आदि है। अन्य अंगों की तरह दिमाग को भी बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए कुछ पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। अगर आपको सोचने-समझने की क्षमता कम है, आपकी याददाश्त कमजोर है, या आप हमेशा विचलित रहते हैं, तो इसके सीधा सा मतलब है कि आपके दिमाग में कुछ लोच है, जिसे ठीक करना जरूरी है। याद रहे कि तेजी से दौड़ती दुनिया में दिमाग को स्वस्थ और मजबूत बनाना बहुत जरूरी है। इतनाफक से रोजाना खाई जाने वाली कुछ सख्तियों में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिमाग को तेज करते हैं और याददाश्त को भी बढ़ाते हैं।

पत्तेदार सब्जियां

हार्ड डेल्ट के अनुसार पालक, केल और स्विस् चार्ड जैसी पत्तेदार सब्जियां विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं, जिनमें विटामिन के, विटामिन बी 6 और फोलेट शामिल हैं। ये पोषक तत्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य और सोचने-समझने के लिए जरूरी हैं। इनमें ल्यूटिन और जैक्सोनिन, एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाते हैं।

ब्रोकोली

ब्रोकोली एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनेरल्स से भरपूर है जो मस्तिष्क को बेहतर बनाती है। यह कोलीन का एक अच्छा स्रोत है, एक पोषक तत्व जो मेमोरी बढ़ाने और सीखने की क्षमता में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, ब्रोकोली में सल्फोराफेन नामक एक योगिक होता है, जिसमें

एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो मस्तिष्क को क्षति से बचा सकते हैं।

चुकंदर

चुकंदर नाइट्रेट से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने और संज्ञानात्मक कार्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी योगिक भी होते हैं जो दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकते हैं।

गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो शरीर में विटामिन ए में बदल जाता है। विटामिन ए मस्तिष्क के कार्य से निकटता से जुड़ा हुआ है। गाजर में अन्य एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो ब्रेन को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचा सकते हैं।

बेल मिर्च

बेल मिर्च विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्य का समर्थन करता है। इनमें विटामिन बी6 और फोलेट जैसे अन्य पोषक तत्व भी होते हैं, जो मस्तिष्क के कार्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कद्दू

कद्दू बीटा-कैरोटीन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। यह मैग्नीशियम का भी एक अच्छा स्रोत है, एक मिनेरल है, जो दिमाग के कामकाज को बढ़ाने के लिए जरूरी है।

टमाटर

टमाटर लाइकोपीन से भरपूर होते हैं, एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से बचा सकता है। लाइकोपीन को अल्जाइमर रोग जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के कम जोखिम से भी जोड़ा गया है।

बैंगन

बैंगन में नासुनिन नामक एक योगिक होता है, एक एंटीऑक्सीडेंट जो मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचा सकता है। नासुनिन को स्वस्थ मस्तिष्क समारोह और संज्ञानात्मक प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए भी दिखाया गया है।



प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। चलिए जानते हैं इस चाय को बनाने के लिए जरूरी सामग्री और चाय बनाने की सही विधि

तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें ध्रुवा में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बुटी 100 ग्राम, बिल्व 25 ग्राम, सीक 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि
सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्त (खल कते) में डालें और मोटा-मोटा कुटकर सबको मिलाकर किसी बरतनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है। दो कप पानी एक तौली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहे तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखें शरीर का सबसे जरूरी सुंदर और नाजुक अंग हैं। नमी और टैंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रेशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।
गीता कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों को सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।
नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आंखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।
हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिट चाय की पतियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहे कि पानी ज्यादा गर्म न हो।
नमक - कई बार आंखों में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।
बैकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बैकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।
टंडा दूध - कॉटन बॉल को टंडे दूध में छिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को टंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते हैं। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।
एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।
कच्चा आलू - एस्ट्रिजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस टैंडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।



स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ज्यादा बादाम खाना

बादाम खाने की सलाह उन लोगों को दी जाती है जो हर छोटी-छोटी बातों को भूल जाते हैं। शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि बादाम खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है।

बादाम प्रोटीन, विटामिन, मिनेरल्स, फाइबर और गुड फैट जैसे कई पोषक तत्वों से भरा होता है। बादाम शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। इसलिए सदियों के मौसम में चिकित्सा विशेषज्ञ लोगों को बादाम खाने को कहते हैं। बादाम खाने की सलाह हर कोई देता है लेकिन यह किन्तनी मात्रा में खानी चाहिए यह अक्की तरह से कोई नहीं

बता पाता है। अधिक मात्रा में बादाम खाने के शारीरिक दुष्प्रभाव भी हैं। बादाम के ज्यादा सेवन से एक तरह जहाँ कजन बढ़ने का खतरा होता है, वही दूसरी तरफ इससे आंखों की रोशनी भी प्रभावित होती है। बादाम की तासीर गर्म होती है, इसके चलते लोगों का यह विचार होता है कि जितनी ज्यादा मात्रा में बादाम खाएँ जाएँ उतना ही शरीर को ज्यादा फायदा होगा। यह सोच सही नहीं है।

हमेशा भीगे हुए बादाम खाने चाहिए
स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बादाम को भिगाते ही उसमें पाए जाने वाले प्रोटीन का स्तर बढ़ जाता है। बादाम को रात भर भिगोकर खाना चाहिए, इससे उसमें मौजूद गर्म तत्व काफी हद तक खत्म हो जाते हैं। साथ ही, भिगोए बादाम में पोषक तत्व भी सुखे बादाम की तुलना में ज्यादा होते हैं। बादाम को भिगोकर खाने से इसमें मौजूद फाइबर को पचाना आसान हो जाता है। ज्यादा मात्रा में बादाम का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए

हानिकारक हो सकता है। इसलिए हर दिन सिर्फ 10 से 15 बादाम ही खाने चाहिए। भीगे हुए बादाम कच्चे या भुने हुए बादाम से ज्यादा कारगर होते हैं। इसलिए प्रयास करें हमेशा बादाम भीगे हुए ही खाने चाहिए।

मोटापा बढ़ना

बादाम में मौजूद फैट और कैल्शियम की शरीर में अधिकता होने से मोटापा बढ़ता है। आज की युवा पीढ़ी और बच्चे ज्यादातर फिजिकल एक्टिविटीज से दूर रहते हैं, इससे शरीर की कैल्शियम आसानी से बर्न नहीं होती और शरीर में फैट जमा होने लगता है। ऐसे में ज्यादा बादाम खाना नुकसानदेह हो होगा ही, साथ ही इससे आपका वजन भी बढ़ेगा।

हो सकती हैं गंभीर समस्याएँ

बादाम का अधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज, पेट फूलना और लूज मोशन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, बादाम में मिलने वाले एक प्रोटीन से मुंह, गले और कंठ में खुजली होने के साथ ही जीभ, मुंह और होंठ में सूजन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। वही, ज्यादा बादाम खाने से शरीर में मैग्नीज की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे ब्लड प्रेशर और एंटीबायोटिक्स की दवाइयों का असर भी कम होता है।

कलिंग समाचार



संपादकीय

मोदी की नागपुर यात्रा संतुलन की कवायद

अपने प्रधानमंत्रित्व काल के तकरीबन 11 वर्षों के दौरान भारतीय जनता पार्टी को नरेन्द्र मोदी ने इतना मजबूत बना दिया है कि उसके अध्यक्ष जेपी नड्डा को यह कहने में न तो संकोच हुआ और न ही डर लगा कि %अब भाजपा इतनी शक्तिशाली हो चुकी है कि उसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ज़रूरत नहीं रह गयी है%। देश ने अब तक भाजपा के दो ही प्रधानमंत्री देखे हैं– मोदी के अलावा अटल बिहारी वाजपेयी। तीन बार पीएम का पद स हालने वाले वाजपेयी का कार्यकाल हालांकि एक ही बार पूर्णकालिक रहा था (पहले दो बार क्रमशः 13 दिन व 13 माह का) । अटल बिहारी वाजपेयी 2007 में गोलवलकर शताब्दी समारोह में भाग लेने के दौरान संघ मु यालय गए थे, लेकिन तब वह प्रधानमंत्री के पद पर नहीं थे। बतौर प्रधानमंत्री मोदी ने भी 2014 से अब तक यहां आने की कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। 11 सालों बाद 2025 में अब कहीं जाकर मोदी ने रविवार को यहां का दौरा किया। वे भवन में स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर भी गये जहां संघ के संस्थापक हेडगेवार तथा दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के स्मारक हैं। इससे पहले मोदी 2013 में यहां आये थे, जब वे गुजरात के मु यमंत्री थे। संघ के पदाधिकारी तथा प्रवक्ता इसे गौर राजनीतिक यात्रा बता रहे हैं, लेकिन संघ से वाकई बड़े हो चुके मोदी के यहां आने का मकसद,वह भी इतनी देर से, ढूँढा जा रहा है। पहली बात यह कही जाती है कि नड्डा के उपरोक्त उल्लेखित बयान के कारण भाजपा तथा संघ के बीच रिश्तों में आई दरार को पाटने मोदी यहां आये थे। इतना ही नहीं, यह भी कयास लगाया जा रहा है कि अगले साल बिहार में होने जा रहे चुनाव पर भी चर्चा हुई होगी। कोई कह सकता है कि इस दौरान जब मोदी ने लोकसभा के तीन और न जाने कितने राज्यों के विधानसभा चुनाव जीत लिये तो अब बिहार का चुनाव जीतने हेतु उन्हें संघ प्रमुख से चर्चा करने के लिये क्योंकर आने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। बिहार के बारे में पिछले कुछ समय से भाजपा तथा संघ ग भीर हैं। वह इस मायने में कि प्रदेश को भाजपा इकाई ने यह कहकर बिहार जीतने की मंशा जाहिर की है कि, %पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब यहां भाजपा का मु यमंत्री बने। हाल ही में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बिहार का पांच दिवसीय दौरा किया था। इन सारी बातों को जोड़कर भी देखा जा रहा है। वैसे नड्डा की बात में दम तो है कि संघ के बिना भाजपा को चुनाव जीतना आता है। वे दिन गये कि संघ के असं य कार्यकर्ता वर्तमान भाजपा और पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के प्रत्याशियों के लिये चुनावी श्रम करते थे। अब भाजपा कायकर्ताओं के बल पर नहीं वरन केन्द्रीय जांच एजेंसियों–सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर आदि के जरिये विपक्ष को खत्म कर, ऑपरेशन लोटस, केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, ईवीएम, इलेक्टोरल बॉड्स से इकट्ठी धन राशि, समर्थक मीडिया, आईटी सेल आदि के बल पर चुनाव जीतती है। वैसे तो जब सक्रिय राजनीति में शामिल या सत्ता में बैठे लोग आरएसएस से दूरी बनाकर रखते हैं, तो यह संघ के उस विमर्श को बढ़ाने में मददगार साबित होता है जिसमें कहा जाता है कि %संघ एक सांस्कृतिक संगठन है तथा उसका राजनीति से कोई लेना–देना नहीं है।% हालांकि संघ व भाजपा के अंतर्संबंधों का पर्याप्त खुलासा हो चुका है तथा अब इस बात को बाहरी ही नहीं, खुद दोनों संगठनों के लोग नहीं मानेंगे। बहरहाल, संघ कार्यालय में उन्होंने अपने 34 मिनट के भाषण में संघ की स्वाभाविकतः भरपूर तारीफ की। उसे वटवृक्ष बताया तथा कहा कि संघ उनके जैसे लाखों लोगों को देश के लिये जीने की प्रेरणा है। फरवरी में मु बई में हुए भारतीय मराठी साहित्य स मेलन को स बोधित करते हुए तथा हाल ही में प्रसिद्ध अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ हुई चर्चा में भी मोदी ने संघ की प्रशंसा की थी तथा अपने जीवन पर संगठन के पड़े प्रभाव को बतलाया था। अपने भाषण में मोदी ने देश में हुई विभिन्न त्रासदियों में संघ कार्यकर्ताओं द्वारा पीड़ितों को मदद पहुंचाने का ज़ि़र भी किया।

निर्वासितों से दुर्व्यवहार को सामान्य न बनाएं

लेखा रत्नानी

छोटे देशों ने बेहतर काम किया है। वे एक अच्छी प्रतिक्रिया के उदाहरण के रूप में सामने आते हैं। कोलंबियाए ब्राजील और मैक्सिको ने अपने देशों में वापस भेजे गए निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार को स्पष्ट रूप से सामने लाया है। दो दक्षिण अमेरिकी देशों और मैक्सिको की गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं एक अच्छी और संतुलित प्रतिक्रिया का एक शानदार उदाहरण हैं।

19 फ़रवरी को यूनाइटेड स्टेट्स व्हाइट हाउस ने 41 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें निर्वासितों को बेड़ियों में जकड़ा हुआ दिखाया गया है क्योंकि उन्हें अवैध अप्रवासियों को ;जैसा कि उन्हें वहां श्रवैध एलियंसश् के रूप में जाना जाता हैइ अमेरिकी क्षेत्र से निकालने के डोनाल्ड ट्र प प्रशासन के प्रयासों के तहत निर्वासन कार्यों के लिए एक हवाई जहाज में ले जाया जा रहा है। वीडियो में निर्वासितों या अमेरिकी अधिकारियों के चेहरे नहीं दिखाए गए थे लेकिन बाद वाले ने जो जैकेट पहनी थी जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि वे एनफ़ेर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशंस ;ईआरओइ से थेए जो अमेरिकी आब्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ;आईसीईइ के प्रवर्तन और निष्कासन कार्यों का संक्षिप्त रूप है। वीडियो का उद्देश्य न केवल निर्वासितों जिनमें से कई भारत से हैंए बल्कि उनके राष्ट्रों और उनके नागरिकों का समग्र रूप से उपहास उड़ाना और उन्हें शर्मिदा व अपमानित करना था। वीडियो का चौंकाने वाला शीर्षक था. श्एएसएमआररू अवैध विदेशी निर्वासन उड़ानश् और एलोन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म

श् एकसश् पर इसे 100 मिलियन से अधिक बार देखा गया है।वीडियो में एएसएमआर ;ऑटोनॉमस सेंसरी मेरिडियन रिस्पांसइ का तात्पर्य स्टील की जंजीरों की झुनझुनी ध्वनि से है जब उन्हें टरमैक पर बिछाया जाता है क्योंकि कैदी आगे बढ़ते हैं और एक.एक करके उन्हें जंजीरों में जकड़ा जाता है। एएसएमआर रीढ़ की हड्डी में महसूस होने वाली संतुष्टि और सुखद झुनझुनी की भावना हैए जो कुछ लोगों में कुछ ध्वनियों से ट्रिगर होती हैए जैसे टिश् पेपर का कुचलना या बबल रैप का फटना। स्टील की बेड़ियों के बिछाए जाने की आवाज वह झुनझुनी है जिसे वे पसंद करते हैं। मस्क ने वीडियो को शहाहाण्ण वाहश् शब्दों के साथ रीट्वीट किया।

निर्वासितों के साथ अमानवीय व्यवहार सिर्फ़ उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार में ही नहीं है। अमेरिकियों के दिमाग में श्एलियंसश् की गहरी पैठ हैए जिसमें कई परतें काम कर रही हैंए जैसे कि श्वेत वर्चस्वए गरीबी का अपराधीकरण और या दुर्व्यवहार का सामान्यीकरण। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक अकाउंट से ऐसा वीडियो जारी करने और उनके सबसे भरोसेमंद लैफ़ टनेंट द्वा़इ इसे रीट्वीट करने पर हंसने के लिए दिमाग में कुछ गड़बड़ ज़रूर है। सभी देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे निर्वासितों को वापस लौटाएं और अमेरिका को यह बताएं कि निर्वासन ठीक है लेकिन इंसानों के साथ दुर्व्यवहार करनाए जिनमें से ज़्यादातर समाज के गरीब तबके के हैं और जो आजीविका की तलाश में हैंए ऐसी नौकरियां लेना जो इन इच्छुक श्रमिकों की उपलब्धता के बिना भी

उपलब्ध हैंए एक फ़सीवादी शासन के करीब है जो अन्य मनुष्यों को मनुष्य से कमतर समझता है। निर्वासन के लिए लक्षित देशों में सबसे बड़ाए सबसे मजबूत और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप

जयशंकर यह कहने में अधिक उत्सुक हैं कि हमने अपने कार्यकाल के दौरान कुछ नहीं किया। भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद उनके द्वारा किए गए बेतुके, पूरी तरह से बेतुकेए बदसूरतए बेशर्म और खुद को चोट पहुंचाने वाले हैं। पहले और बाद के बीच कृत्रिम विभाजन को देखिए! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को डॉ. जयशंकर को फटकार लगानी चाहिएए अगर नहीं तो पदावनत करना चाहिए क्योंकि उन्होंने इस महत्वपूर्ण मामले में देश को नीचा दिखाया है।

में भारत को यह विरोध अवश्य व्यक्त करना चाहिए। इसमें भारत स्पष्ट रूप सेए बड़े पैमाने पर और बुरी तरह विफ़्लत रहा है। इसकी जगह हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो अमेरिका की कार्रवाइयों को उचित ठहराता है। क्या यह पूर्व विदेश सेवा के राजनयिक से राजनेता बने डॉण् एस जयशंकर नहीं थे जिन्होंने 6 फ़रवरी को एक बयान में कहा था. श्आईसीई द्वारा उपयोग किए जाने वाले विमान द्वारा निर्वासन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाए जो 2012 से प्रभावी हैए मैं दोहराता हूँए जो 2012 से प्रभावी हैए प्रतिबंधों के उपयोग का प्रावधान करती है। हालांकिह हमें आईसीई द्वारा सूचित किया गया है कि महिलाओं और बच्चों को नहीं रोका जाता है। इसके अलावा भोजन या अन्य

आवश्यकताओं से संबंधित पारगमन के दौरान निर्वासित लोगों की ज़रूरतों का ध्यान रखा जाता हैए जिनमें संभावित चिकित्सा व आपात स्थिति भी शामिल है। मैं दोहराता हूँ कि 5 फ़रवरी को अमेरिका द्वारा

छोटे देशों ने बेहतर काम किया है। वे एक अच्छी प्रतिक्रिया के उदाहरण के रूप में सामने आते हैं। कोलंबियाए ब्राजील और मैक्सिको ने अपने देशों में वापस भेजे गए निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार को स्पष्ट रूप से सामने लाया है।

दो दक्षिण अमेरिकी देशों और मैक्सिको की गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं एक अच्छी और संतुलित प्रतिक्रिया का एक शानदार उदाहरण हैं। राष्ट्रपति गुस्तावो पेद्रो की एक वाणिज्यिक उड़ान पर कोलंबियाई निर्वासितों को संबोधित करते हुए तस्वीरें हैंए जब उन्होंने निर्वासितों को ले जा रहे अमेरिकी सैन्य कार्गो विमान को अनुमति देने से इनकार कर दिया तो वे सबसे पहले आवाज उठाने वालों में से एक थे। पेद्रो ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म श्एक्सश् पर कहा थाए श्मैं कोलंबियाई प्रवासियों को ले जाने वाले अमेरिकी विमानों के हमारे क्षेत्र में प्रवेश देने से इनकार करता हूँ। संयुक्त राज्य अमेरिका को प्रवासियों को प्राप्त करने से पहले उनके साथ स मानजनक व्यवहार के लिए एक प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए।श् कोलंबिया ने निर्वासितों को वापस लाने के लिए अपने देश के विमान भेजे और पेड्रो ने अपने लोगों को स मान के साथ वापस भेजने के लिए राष्ट्रपति के विमान की भी पेशकश की। यह भारतीय प्रतिक्रिया के बिल्कुल विपरीत है।

निर्वासित लोगों के तीन बैचों को हथकड़ियां और पैरों में जंजीरें डालकर अमेरिकी सैन्य कार्गो विमान की घुटन भरी उड़ान द्वारा भारत वापस लाया गया है। 23 फ़रवरी को भारतीय निर्वासितों का चौथा और

नवीनतम बैच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। अमेरिकी सैन्य कार्गो विमानों में हथकड़ी और जंजीरों में बंधे पहले के समूहों के विपरीत 12 लोगों का यह जत्था पनामा से एक वाणिज्यिक उड़ान से वापस आया। वे बेड़ियां खोले हुए थे और उनके पैरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगे हुए थे लेकिन निर्वासितों ने तितुआना शिविर में यातना और कठिनाई के बारे में बतायाए जहां उन्हें वाणिज्यिक उड़ान से पनामा के लिए रवाना होने से पहले घंटों तक अत्यधिक ठंड में फंश पर बैठाया गया था। उन्होंने कहा कि कोलंबिया और ब्राजील जैसे देशों ने अपने लोगों के साथ इस तरह के व्यवहार की निंदा की है जबकि भारत चुप रहा है। इससे उनकी समस्याएं और बढ़ गई हैं। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि वह निर्वासित नागरिकों के साथ श्अपमानजनक व्यवहारश् के बारे में वाशिंगटन से जवाब मांग रहा है। ब्राजील सरकार ने कहा कि वह निर्वासित प्रवासियों के लिए एक स्वागत केंद्र बनाएगी। इममें से कोई भी देश अमेरिका की ताकत के आसपास भी नहीं हैए फ़िर भी उन्होंने यह कहकर अपनी बात रखी हैरू आप हमारे लोगों के साथ बुरा व्यवहार नहीं कर सकते। अगर आप ऐसा करेंगे तो हम चुप नहीं रहेंगे। भारत इससे कुछ सबक सीख सकता है।

सर्वाधिक दुःखद तो यह है कि प्रारंभिक जत्थों के बाद मोदी ने अमेरिका का दौरा किया जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्र प से हुई लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर उनसे बात तक नहीं कीए विरोध जतलाना तो दूर की बात है।

जल संकट को कैसे दूर कर सकते हैं ?

बाबा मायाराम

हाल के कुछ बरसों से किसानों की एक बड़ी समस्या है बारिश न होना या अनियमित होना। भूजल बरसों में एकत्र होता हैए यही हमारा सुरक्षित जल भंडार है। फ़िर बिना बिजली के उसे ऊपर खींचना मुश्किल है। पूर्व से आसन्न बिजली का संकट साल दर साल बढ़ते जा रहा है। यानी ऊर्जा का संकट भी है।

गर्मियों के मौसम की शुरुआत से ही पानी की समस्या की खबरें आने लगी हैं। यह संकट साल दर साल बढ़ता जा रहा है। अब यह मौसमी नहींए स्थायी हो गया है। यह समस्या प्रकृति से तो जुड़ी हैए पर कुछ हद तक मानवनिर्मित भी है। आज इस कॉलम में पानी की समस्या पर विस्तार से चर्चा करना चाहूंगाए जिससे इसे समग्रता से समझा जा सके।

हम देख रहे हैं कि बहुत ज्यादा लंबा अरसा नहीं हुआए जब मध्यप्रदेश में बहुत समृद्ध वन हुआ करते थे। सदानीरा नदियां थीं। गांव में कुएं तालाबए बावडियां थीं। नदी.नालों में पानी की बहुतायत थी। वर्षा जल को छोटे.छोटे बंधानों में एकत्र किया जाता थाए जिससे सिंचाईए घरेलू निस्तार और मवेशियों को पानी मिल जाता था। किसान पहले बैलों से चलने वाली मोट से सिंचाई करते थे।

गांव में कच्चे मिट्टी के घर होते थे। घर के आगे.पीछे काफी जगह होती थी। खेती किसानी

के काम में घरों में बड़ा आंगन होता था। घर के पीछे सब्जी.बाड़ी होती थी। बाड़ी में हरी सब्जियां लगाई जाती थी। मुनगाए आमए अमरूदए नींबू के पेड़ होते थे। भूमि की सतह का पानी नीचे जम्ब होता था और धरती का पेट भरता था। यानी भूजल ऊपर आता था।

छुपन में हमारे घर कुएं से पानी आता था। हम नदी में नहाने जाते थे। वहीं मवेशी भी पानी पीते थे। वहां तरबूज.खरबूज की खेती होती थी। मछुआरे मछली पकड़ते थे। कम पानी वाली फ़सलें होती थी या बिना सिंचाई के भी फ़सलें हुआ करती थी। बिर्रा ;गेहूँ और चना मिलवांड खेती होती थी। अरहरए ज्वार होती थी। उड़द.मूंग व कोदो कुटकी होती थी।

मवेशियों को चरने के लिए जंगल व परती जमीन हुआ करती थी। ल बे घास के मैदान हुआ करते थे। नदी के किनारे भी काफी जगह होती थीए वहां मवेशी चरते और पेड़ों की छाया में बैठते थे।

लेकिन अब जंगल कम हो गए हैंए पेड़ कटते जा रहे हैंए परती जमीन भी दिखाई नहीं देती है। यहां सतपुड़ा पहाड़ों से निकलने वाली नदियां दम तोड़ रही हैं। कुएंए तालाबए बावडियां सूख गए हैं। ज्यादा पानी पीने वाली बोनी किस्मों को पानी पिलाने नलकूप खोदे जा रहे हैं। तालाब पट गए हैं।

जैव विविधता में मिट्टी के

बाद पानी एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जीवन के लिए हवा के बाद पानी बहुत ही महत्वपूर्ण हैए जिसे संजोया जाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। भोजन के बिना तो कुछ दिन जिया जा सकता हैए लेकिन पानी के बिना जीना मुश्किल है। भोजन और पानी ऐसा संसाधन हैए जिसे कृत्रिम रूप से बनाया नहीं जा सकता है। पानी से मानव ही नहींए समस्त जीव.जगतए पशु पक्षियों का जीवन जुड़ा हुआ है।

मध्यप्रदेश की स्थिति उत्तर भारत से भिन्न है। उत्तर भारत की नदियां हिमजा हैंए वहां वर्षा न भी हो तो उनमें बर्फपिघलने से पानी आएगाए लेकिन मध्यप्रदेश की नदियां वनजा हैंए यानी वन नहीं होंगे तो ये शुष्क हो जाएंगी। यह हाल यहां की नदियों का हो गया हैए यहां की जीवन रेखा कहलाने वाली नर्मदा नदी की ज्यादातर सहायक नदियां सूख चुकी हैं। इससे नर्मदा भी कमजोर हो गई है।

हाल के कुछ बरसों से किसानों की एक बड़ी समस्या है बारिश न होना या अनियमित होना। भूजल बरसों में एकत्र होता हैए यही हमारा सुरक्षित जल भंडार है। फ़िर बिना बिजली के उसे ऊपर खींचना मुश्किल है। पूर्व से आसन्न बिजली का संकट साल दर साल बढ़ते जा रहा है। यानी ऊर्जा का संकट भी है।

अब सवाल है पानी कैसे बचाया जाएष् जैसे भी होए

जहां भी संभव होए बारिश के पानी को वहीं लोगों के खेत तक पहुंचाना चाहिए। जहां पानी गिरता हैए उसे सरपट न बह जाने दें।

स्पीड ब्रेकर जैसी पार बांधकरए उसकी चाल को कम करके धीमी गति से जाने दें। इसके कुछ तरीके हो सकते हैं। खेत का पानी खेत में रहेए इसके लिए मेड़बंदी की जा सकती है। गांव का पानी गांव में रहेए इसके लिए तालाब और छोटे बंधान बनाए जा सकते हैं। चैक डेम बनाए जा सकते हैं। पेड़ए तरह.तरह की झाड़ियां व घास की हरियाली बढ़ाकर जल संरक्षण किया जा सकता है।

शहरों में हारवेस्टर के माध्यम से पानी को एकत्र कर भूजल को ऊपर लाया जा सकता है। इसके माध्यम से कुओं व नलकूप को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इसके साथ सबसे ज़रूरी है खेती में हमें फ़सलचक्र बदलना होगा। कम पानी या बिना सिंचाई के परंपरागत देशी बीजों की खेती करनी होगी। और ऐसी कई देशी बीजों को लोग भूले नहीं हैए वे कुछ समय पहले तक इन्हीं बीजों से खेती कर रहे थे। देशी बीज और हल.बैल की गोबर खाद वाली की खेती की ओर मुड़कर मिट्टी.पानी का संरक्षण करना होगा। यानी समन्वित प्रयास से ही हम पानी जैसे बहुमूल्य संसाधन का संरक्षण व संवर्धन कर सकते हैं।

यहां उत्तराखंड में वनों के संरक्षण से पानी के परंपरागत

स्त्रोत बचाने का अनूठा उदाहरण देना उचित होगा। यहां 80 के दशक में हेंवलघाटी के परंपरागत जलस्त्रोत लगभग सूख चुके थे। लेकिन जब लोगों को गहरा अहसास हुआ कि हमारा बांज.बुरास का जंगल उजड़ रहा हैए और सदाबहार जलस्त्रोत सूख रहे हैंए उन्होंने इन्हें पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया। इसके बाद वे वनों के जतन में जुट गए।

इस काम के पीछे श्विपको आंदोलन्य की प्रेरणा थी। जड़धार गांव में जहां पहाड़ी के वनों को लोगों ने संरक्षित कियाए चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता विजय जड़धारी का गांव है। उनकी जंगल को फ़िर पुनर्जीवित करने में महती भूमिका है। इस वन को फ़िर से हरा.भरा करने के लिए उन्होंने उजड़े हुए जंगल की सिर्फ़ रखवाली कीए यानी जंगल को कुछ सालों के लिए विश्राम दे दिया। और देखते ही देखते जंगल से फ़िर से जी उठा। उनके और बीज बचाओ आंदोलन के जंगल बचाने के प्रयास से वहां के जलस्त्रोत फ़िर सदानीरा हो गए। जब वन होंगे तो बादल आएंगेए बारिश होगी। यह ऐसा तरीका हैए जिससे यह सीख मिलती है कि पेड़ों कोए जंगलों को बचाना बहुत ज़रूरी है।

इस प्रकारए वृक्षारोपण और जंगल बचाने के साथ मेड़बंदीए तालाब बनाने का काम कई जगह हुआ है। राजस्थान में तो पानी बचाने की बहुत ही अच्छी परंपरा है। दो वर्ष पहले मैंने

राजस्थान के कुछ जिलों का दौरा किया था और वहां के तालाब देखे थे। वहां के कई तालाब तो बरसों पुराने हैंए उनके रखरखाव के नियम.कायदे भी गांव वालों ने बनाए हैंए जिससे उनका पानी साफ़सुथरा व पीने योग्य बना रहे। इन तालाबों में गंदगी नहीं थीए क्योंकि वहां का समाज मिलकर इसकी देखरेख करता है। उन्हें इनकी चिंता है। इसके अलावाए वहां हर घर में टंकी हैए जिसमें वे बारिश के दिनों में पानी का संग्रह करते हैंए जिसका उपयोग वे साल भर करते हैं। बारिश के पानी की एक.एक बूंद को एकत्र करने की अच्छी परंपरा है।

इसके साथ ही अगर हमारे गांवों के आसपास वन हैंए पेड़ हैंए उनकी रक्षा करनी ज़रूरी है। यदि प्राकृतिक वन नहीं हैंए तो बड़े पैमाने पर स्थानीय प्रजातियों के पेड़ लगाने चाहिए। नर्मदापुरम जिले में एक है काकडीए वहां के आदिवासियों ने गांव में काफी पेड़ लगाए हैं। जिससे न केवल उनके गांव में हरियाली आ गई हैए बल्कि उनकी ज़रूरतें भी पूरी हो जाती हैं। पौष्टिक फ़लए चाराए ईधनए हरी पत्ती का खादए रेशे और दैनिक जीवन के उपयोगी वस्तुएं भी मिल जाती हैं। इस तरहए अगर इसी तरह इस दिशा में अगर समन्वित प्रयास किए जाए तो जलसंकट का समाधान हो सकेगा। लेकिन क्या हम इस दिशा में कुछ सचमुच प्रयास करना चाहेंगे ?



विविध समाचार



फरीदकोट में हेरोइन तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री ने डेरा बाबा श्री रुद्रानंद आश्रम में नवाया शीश

फरीदकोट। पंजाब के फरीदकोट में पुलिस ने हेरोइन तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में सेना का एक जवान और पंजाब आर्म्ड पुलिस का एक बर्खास्त कर्मचारी भी शामिल है। पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस गिरोह के तार सीधे तौर पर पाकिस्तान में बैठे तस्करों से जुड़े हुए हैं, जो ड्रोन के जरिए सीमा पार से हेरोइन की खेप भारतीय क्षेत्र में भेजते थे। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे काले कारोबार को जेल में बंद एक आरोपी द्वारा ऑपरेट किया

जा रहा था। पुलिस ने इस बड़ी कार्रवाई के दौरान आरोपियों के पास से कुल 4.8 किलो हेरोइन, 30 हजार रुपये की ड्रग मनी, एक .30 बोर की पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके साथ ही तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही एक थार और एक एक्सयूवी-500 गाड़ी को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमरदीप सिंह उर्फ बॉक्सर, डिंपल रानी, रमणदीप कौर, सरबजीत सिंह उर्फ सब्बा, अमृतपाल सिंह उर्फ अभिजोत और जर्नेल सिंह उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है। इनमें से अमरदीप सिंह बर्खास्त

पुलिसकर्मी है, जबकि जर्नेल सिंह सेना का जवान है जो इन दिनों छुट्टी पर अपने घर आया हुआ था। एसएसपी डॉ. प्रज्ञा जैन ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 20-21 फरवरी की दरम्यानी रात सीआईए स्टाफ ने ग्रीन एवेन्यू रोड पर एक संदिग्ध थार गाड़ी को रोककर उसकी तलाशी ली थी। डीएसपी तरलोचन सिंह की अगुवाई में हुई इस चेकिंग के दौरान गाड़ी से 1 किलो 8 ग्राम हेरोइन और 30 हजार रुपये बरामद हुए, जिसके बाद मौके से चार आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। गहन पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि यह खेप एक्सयूवी-500

गाड़ी में आए अमरदीप सिंह उर्फ बॉक्सर ने उन्हें सप्लाई की थी और इसके बदले 2 लाख 60 हजार रुपये का लेन-देन हुआ था। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर अमरदीप और उसकी साथी डिंपल रानी को गांव गोलेआणा सेम नाला के पास दबोच लिया। उनकी गाड़ी की तलाशी लेने पर 3 किलो 796 ग्राम हेरोइन और हथियार बरामद हुए। इस गिरोह के जेल से ऑपरेट होने के सुराग मिलने के बाद बीते कल फरीदकोट की केंद्रीय मॉडर्न जेल में भी सघन तलाशी अभियान चलाया गया। जेल के सहायक अधीक्षक वीरपाल सिंह के अनुसार, जेल अ

धीक्षक के कड़े निर्देशों पर विभिन्न बैरकों की अचानक जांच की गई। इस चेकिंग के दौरान जेल के अंदर से कुल छह मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। जेल प्रशासन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पांच नामजद हवालातियों और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ थाना सिटी में जेल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। नामजद आरोपियों में पटियाला निवासी मनजीत सिंह, मोगा निवासी गुरभिंदर सिंह, अमृतसर निवासी कुलबीर सिंह और तरनतारन निवासी गुरमनदीप सिंह शामिल हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रविवार को ऊना जिले के नारी स्थित डेरा बाबा श्री रुद्रानंद आश्रम पहुंचकर ब्रह्मलीन वेदांताचार्य स्वामी श्री सुग्रीवानंद जी महाराज के प्रथम वार्षिक श्राद्ध कार्यक्रम में भाग लिया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने पूज्य संत की आध्यात्मिक विरासत को स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी सुग्रीवानंद जी महाराज तप, त्याग और साधना की सजीव प्रतिमूर्ति थे। उनका समूचा जीवन लोककल्याण और आध्यात्मिक उत्थान को समर्पित रहा, जो समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उपमुख्यमंत्री ने आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी हेमानंद जी महाराज के गद्दीनशीनी समारोह में भी सहभागिता की तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्वामी हेमानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में आश्रम आध्यात्मिक चेतना, सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को नई दिशा और ऊंचाइयां प्रदान करेगा। अग्निहोत्री ने कहा कि स्वामी

सुग्रीवानंद जी महाराज चारों वेदों के प्रकाण्ड ज्ञाता और विरले संत थे। उनके ब्रह्मलीन होने पर समूचा प्रदेश शोकाकुल हो उठा था। उनके सम्मान में राजकीय आदर के साथ अंतिम संस्कार सम्पन्न किया गया तथा ऊना जिले में अवकाश घोषित किया गया, जो उनके प्रति सरकार और समाज की गहरी श्रद्धा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि संत परंपरा भारतीय संस्कृति की आधारशिला है, जो समाज को नैतिक मूल्यों, सेवा भावना और सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करती है। हिमाचल देवभूमि है और प्रदेश सरकार धार्मिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं के संरक्षण तथा सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान आश्रम परिसर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर विधायक विवेक शर्मा, पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष देशराज गौतम सहित धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र की अनेक गणमान्य हस्तियां तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सोनीपत में खराब खड़े ट्रक में जा घुसी अमृतसर से आ रही तेज रफ्तार वॉल्वो बस कंडक्टर की दर्दनाक मौत, कई यात्री सीटों के बीच फंसे



सोनीपत। वीकेंड की शुरुआत में ही दिल्ली-पानीपत नेशनल हाईवे-44 पर एक बेहद खौफनाक और दर्दनाक मंजर देखने को मिला है। पंजाब के अमृतसर से दिल्ली की ओर जा रही एक प्राइवेट लग्जरी वॉल्वो बस के यात्रियों की नींद शनिवार को एक जोरदार और जानलेवा झटके के साथ टूटी। राई प्लाईओवर के पास बीच सड़क पर मौत बनकर खड़े एक खराब ट्रक ने इस तेज रफ्तार बस का सफर पल भर में मातम में बदल दिया। इस भीषण टक्कर में बस के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए, जिसमें बस के कंडक्टर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, ड्राइवर समेत कई मुसाफिर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। चश्मदीदों के मुताबिक, शुक्रवार देर रात अमृतसर से रवाना हुई यह बस हाईवे पर काफी तेज गति में दौड़ रही थी। सुबह के वक्त ड्राइवर सड़क पर पहले से खराब खड़े ट्रक का अंदाजा नहीं लगा पाया और बस सीधे पीछे से उसमें जा टकराई। टक्कर इतनी भयानक थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से पिचक कर लोहे के मलबे में तब्दील हो गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और

कई यात्री अपनी सीटों के बीच ही बुरी तरह फंस गए। बाद में स्थानीय लोगों और बचाव दल ने बस के शीशे काटकर और खिड़कियों के रास्ते से लहूलुहान व बदहवास यात्रियों को बाहर निकाला। घटना का जो वीडियो सामने आया है, उसमें साफ दिख रहा है कि दहशत में आए यात्री बस से बाहर निकलने के लिए किस कदर जद्दोजहद कर रहे हैं। इस जानलेवा दुर्घटना के कारण व्यस्त रहने वाले नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही राई थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने एंबुलेंस के जरिए सभी घायलों को सोनीपत के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बस ड्राइवर की बेहद गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रोहतक मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाकर यातायात सुचारु करने और मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

होमगार्ड जवान की गोली मारकर हत्या

दीनानगर। पंजाब के सरहदी इलाके दीनानगर के पास, थाना दोरांगला क्षेत्र के आदियां गांव के नजदीक बीती रात अज्ञात हमलावरों ने ड्यूटी पर तैनात एसआई गुरनाम सिंह और होमगार्ड जवान अशोक कुमार की

गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों को सुबह हुई, जब उन्होंने नाके पर दोनों जवानों के शव देखे। पुलिस के अनुसार, हमला देर रात हुआ और हमलावरों ने दोनों जवानों

को कोई मौका नहीं दिया। सरहदी इलाके में होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था सामान्यतः कड़ी रहती है। घटना की सूचना मिलने के बाद जिले के आला अधिकाारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

वरिष्ठ पत्रकार चन्द्र शेखर धरणी लगातार दूसरी बार हरियाणा विधानसभा प्रेस एडवायजरी कमेटी के अध्यक्ष बने

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा प्रेस एडवायजरी कमेटी (पीएसी) ने वित्तीय वर्ष 2025 : 26 के लिए वरिष्ठ पत्रकार चन्द्र शेखर धरणी को अध्यक्ष पद पर बहुमत से बने।पी ए सी के उप प्रधान जितेंद्र चौधरी व सचिव योगिंद्र शर्मा बहुमत से बने। हरियाणा विधानसभा के सचिव राजीव प्रसाद की अध्यक्षता में पी ए सी की हुई मीटिंग में दिनेश भारद्वाज ने पिछले साल की कमेटी रिपीट करने का प्रस्ताव रखा।अनिल गाबा,दीपक बंसल,सुशील भार्गव ने इस प्रस्ताव का खुला समर्थन किया। प्रक्रिया संपन्न होने के बाद पी ए सी के नए पदाधिकारियों व अधिकांश सदस्यों ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण का आभार व्यक्त

किया। इससे पहले विधानसभा के सचिव राजीव प्रसाद की अध्यक्षता में पी ए सी की हुई मीटिंग में सुझाव दिए गए कि हरियाणा में पंजाब पी ए सी की तर्ज पर बजट व सुविधाएं दी जाएं।पंजाब विधानसभा में जिस प्रकार पी ए सी के सदस्यों के लिए पार्किंग रिजर्व है हरियाणा में कि जाए। इससे धरणी पहले भी वित्तीय वर्ष 2024दृ25 में सर्वसम्मति से पीएसी के अध्यक्ष बने थे। हाल ही में विधानसभा के स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने विधानसभा की विभिन्न कमेटीयों की तर्ज पर मान्यता प्राप्त पत्रकारों की प्रेस एडवाइजरी कमेटी का गठन कर दिया है। साल 2024-25 में बनी इस कमेटी को साल 2025-26 के लिए निरंतरता प्रदान की गई है। इस कमेटी

का कार्यकाल 31 मार्च 2026 तक होगा, ताकि विधानसभा के बजट सत्र की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जा सके। एक अप्रैल 2026 से नये सिरे से कमेटी का गठन किया जाएगा। विधानसभा स्पीकर द्वारा बनाई गई प्रेस एडवाइजरी कमेटी में वरिष्ठ पत्रकार दीपक बंसल, राकेश गुप्ता, चंद्रशेखर धरनी, योगेंद्र शर्मा, दिनेश भारद्वाज, सुशील भार्गव, अनिल गाबा, महावीर जैन, जितेंद्र चौधरी, अंकित दुदानी, पवन कुमार सीवर, निश्चल भटनागर और अनुराग अग्रवाल को शामिल किया गया है। विशेष आमंत्रित सदस्यों में राजेश जैन और संजीव शर्मा शामिल हैं। इस कमेटी की जल्द ही बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें पदाधिकारियों का चयन

होगा। पत्रकारों ने विधानसभा स्पीकर हरविन्द्र कल्याण और उनके सलाहकार राम नारायण यादव का आभार जताया है। धरणी का नेतृत्व लगातार दो वर्षों से मीडिया और विधानसभा के बीच संवाद और पारदर्शिता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पहली बार पीएसी के प्रधान बनने के बाद उनकी अध्यक्षता में पीएसी की पहली बैठक दिल्ली हरियाणा भवन में आयोजित की गई, जिसमें मीडिया और विधानसभा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया गया।धरनी के नेतृत्व में पीएसी का स्टडी टूर जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित किया गया, जिससे समिति के सदस्यों को प्रशासनिक

प्रक्रियाओं और मीडिया कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव मिला। चन्द्र शेखर धरणी ने बहुमत से बनने के बाद सभी साधियों का आभार व्यक्त किया है। “मुझे इस सम्मान और जिम्मेदारी में हरियाणा विधानसभा और मीडिया के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करूंगा। फोटो कैप्शनरूपी ए सी के नए पदाधिकारियों अध्यक्ष चन्द्र शेखर धरणी, उपप्रधान जितेंद्र चौधरी,सचिव योगिंद्र शर्मा व अधिकांश सदस्यों द्वारा हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण का पी ए सी गठन के लिए आभार व्यक्त किया गया।साथ है विधानसभा के सचिव राजीव प्रसाद।

अकाली दल की सरकार बनने पर वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर 3,100 रुपये प्रति माह किया जाएगा : सुखबीर बादल

जीरा। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने शुक्रवार को कहा कि 2027 में राज्य में अकाली दल की सरकार बनने पर पुत्री के विवाह पर दिए जाने वाले 'शगुन' को बढ़ाकर एक लाख रुपये करने के साथ-साथ वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर 3,100 रुपये और बढ़ी हुई वस्तुओं के साथ 'आटा-दाल' योजना को फिर से शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री बादल ने यहां पंजाब बचाओ रैली को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली मुख्यालय वाली पार्टियां केवल राज्य को लूटने में रुचि रखती हैं, लेकिन पंजाब के लिए उनका एक अलग दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, “हमारी प्राथमिकता गरीब, किसान और मजदूर का कल्याण है।” उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने कमजोर वर्गों के लिए शगुन योजना, वृद्धावस्था पेंशन और आटा दाल योजना सहित कई सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करके मार्ग प्रशस्त किया था। हम इन योजनाओं का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसके तहत शगुन योजना के लाभ को बढ़ाकर एक लाख रुपये करने के साथ-साथ वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर 3,100 रुपये प्रति माह करेंगे और आटा-दाल योजना के तहत आटा और दाल का वितरण क्रमशः चार रुपये और 20 रुपये प्रति किलो की दर से करेंगे। “श्री बादल ने कहा, “ कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भाजपा जैसी पार्टियां सिर्फ सत्ता पाने के लिए ही राजनीति करती हैं, लेकिन शिअद पंजाबियों के अधिकारों और आकांक्षाओं के लिए खड़ी है।” उन्होंने कहा कि उनके आसपास जो भी सुविधाएं और बनियादी ढांचा दिखाई देता है, वह शिअद की पिछली

सरकारों की देन है, चाहे वह मुफ्त ट्यूबवेल कनेक्शन हो या मंडियां, सिंचाई नहरें, थर्मल प्लांट और एक्सप्रेसवे। उन्होंने कहा कि एसएडी ने न केवल नयी सामाजिक कल्याण योजनाएं शुरू कीं, बल्कि सेवा केंद्र और सांझ केंद्र स्थापित करके प्रशासनिक सुधार भी किये। श्री बादल ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर राज्य संसाधनों की खुलेआम लूट का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जहां शिअद ने लुधियाना में 35,000 एकड़ से अधिक जमीन को कौड़ियों के भाव अधिग्रहण को रोक दिया था, जिसे सरकार के चहेतों को सौंपा जाना था, वहीं अब मोहाली की प्रमुख संपत्तियों को दिल्ली के बिल्डरों को सौंपने की पहल की जा रही है। उन्होंने कहा, “ मैं दिल्ली के सभी बिल्डरों को स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि शिअद के सत्ता में आते ही हम इन नीलामियों को रद्द कर देंगे। मैं सरकारी अधिकारियों को भी चेतावनी देता हूं कि वे ऐसा कुछ भी न करें जिससे राज्य के हितों को नुकसान पहुंचे, अन्यथा उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा।” शिअद अध्यक्ष ने पंजाब के सभी वर्गों के लिए अगली शिअद सरकार के गठन के एक सप्ताह के भीतर उन सभी किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन दिए जाएंगे जिनके पास अभी तक कनेक्शन नहीं है। उन्होंने बाढ़ से निपटने के लिए नदियों पर पक्के बांध बनाने की घोषणा की, अब तक जिन लोगों को भूमि अधिकार से वंचित रखा गया था, उन्हें भूमि अधिकार देने का आश्वासन दिया और भूमि के संयुक्त स्वामित्व का मुफ्त विभाजन सुनिश्चित किया।



भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, तीन करोड़ का गांजा जब्त

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को बैंकॉक से आए तीन यात्रियों के पास से लगभग तीन करोड़ रुपये की कीमत का गांजा बरामद होने की खबर सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी नशीले पदार्थ को खाने-पीने की वस्तुओं के पैकेट, सामान के बैग और चॉकलेट के पैकेटों में छिपाकर भारत लाने का प्रयास कर रहे थे। तीनों यात्री इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय उड़ान से सुबह करीब साढ़े पांच बजे भुवनेश्वर पहुंचे थे। डीआरआई अधिकारियों ने संदेह के आधार पर जांच करते हुए नशीले पदार्थ की खेप जप्त की और तीनों यात्रियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस खेप को भुवनेश्वर से सड़क मार्ग के जरिए कोलकाता पहुंचाने की योजना थी। बैंकॉक से सुबह साढ़े पांच बजे पहुंचे थे यात्री प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, तीनों संदिग्ध यात्री मंगलवार सुबह बैंकॉक से इंडिगो की उड़ान के जरिए बीजू

पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनके सामान की जांच के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी का संदेह सामने आया। इसके बाद राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने यात्रियों के सामान की जांच की। जांच के दौरान बैग और खाद्य पदार्थों के पैकेटों में छिपाकर रखी गई संदिग्ध सामग्री बरामद हुई। अधिकारियों ने प्रारंभिक तौर पर इसे गांजा बताया है। बरामद खेप की अनुमानित कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है।

हालांकि, जप्त किए गए नशीले पदार्थ के कुल वजन और उसकी विस्तृत रासायनिक जांच से संबंधित आधिकारिक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। चॉकलेट और खाने-पीने के पैकेटों में छिपाया गांजा इस मामले में तस्करी के लिए अपनाए गए कथित तरीके ने जांच एजेंसियों का ध्यान आकर्षित किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध यात्रियों ने गांजे को सामान्य खाद्य पदार्थों और चॉकलेट के पैकेटों में छिपाकर रखा था। इसके अलावा सामान के बैग में भी नशीले पदार्थ को छिपाए जाने की बात सामने आई है। इस तरह की पैकिंग के जरिए

नशीले पदार्थों को सामान्य सामान के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किए जाने की आशंका है। डीआरआई अब यह पता लगाने में जुटी है कि पैकेटों की तैयारी किसने की थी और यात्रियों को यह सामान कहाँ से उपलब्ध कराया गया था। तीन यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ नशीले पदार्थों की खेप बरामद होने के बाद डीआरआई ने तीनों यात्रियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों द्वारा उनसे पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि तस्करी को इस कोशिश में उनकी ज्या भूमिका थी। जांच एजेंसियां यह भी जानने का प्रयास कर रही हैं कि यात्रियों ने स्वयं इस सामग्री की खरीदारी की थी या उन्हें किसी अन्य व्यक्ति अथवा गिरोह ने सामान पहुंचाने की ज़रूमेदारी दी थी। फिलहाल हिरासत में लिए गए यात्रियों के नाम, पते और अन्य व्यक्तिगत विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि तीनों यात्रियों के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी की गई है या नहीं। कोलकाता पहुंचाई जानी थी गांजे की खेप डीआरआई की शुरुआती जांच में यह आशंका सामने आई है कि



बरामद गांजे को भुवनेश्वर से पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचाया जाना था। बताया जा रहा है कि नशीले पदार्थों की खेप को सड़क मार्ग से कोलकाता भेजने की योजना बनाई गई थी। हालांकि, यह जानकारी अभी जांच के प्रारंभिक चरण में है। खेप का अंतिम गंतव्य और उसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच एजेंसियां अब संभावित अंतरराज्यीय संपर्कों की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही हैं। यदि खेप को वास्तव में कोलकाता भेजने की योजना थी, तो इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाना जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क की जांच तेज

बैंकॉक से गांजे की खेप बरामद होने के बाद जांच एजेंसियों के सामने इसके अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का पता लगाने की चुनौती है। डीआरआई यह जानने का प्रयास कर रही है कि संदिग्ध सामग्री की खरीद और परिवहन में किन लोगों की भूमिका थी। इसके अलावा भारत में इस खेप को प्राप्त करने वाले संभावित लोगों की पहचान भी महत्वपूर्ण होगी।

अधिकारियों को आशंका है कि हिरासत में लिए गए यात्री किसी बड़े नशीले पदार्थ तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, किसी संगठित गिरोह की संलिप्तता की पुष्टि अभी नहीं हुई है। तीन दिन पहले भी पकड़ी गई थी करोड़ों की खेप भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर नशीले पदार्थों की बरामदगी का यह

पहला मामला नहीं है। इससे पहले 17 अक्टूबर 2026 को डीआरआई और सीमा शुल्क विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए चार यात्रियों के पास से 5.291 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जप्त किया था। उस खेप की अनुमानित कीमत लगभग 1.85 करोड़ रुपये बताई गई थी। अधिकारियों के अनुसार, तीन यात्रियों के बैग में बनाए गए विशेष छिपे हिस्सों से 4.877 किलोग्राम संदिग्ध पदार्थ बरामद हुआ था। वहीं, चौथे यात्री के सामान में डॉंग फूड के डिब्बे में छिपाकर रखी गई लगभग 414 ग्राम सामग्री मिली थी। इस मामले में चार यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी। एयरपोर्ट पर बढ़ाई जा रही निगरानी भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर लगातार सामने आ रहे नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। डीआरआई और सीमा शुल्क विभाग अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले यात्रियों तथा उनके सामान की जांच के माध्यम से तस्करी रोकने का प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से संदिग्ध सामान और छिपाकर लाई जाने वाली सामग्री की पहचान पर जोर दिया जा रहा है।

अधिकारियों के सामने यह सुनिश्चित करने की चुनौती है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का इस्तेमाल नशीले पदार्थों की अवैध आपूर्ति के लिए न किया जा सके। एनडीपीएस कानून के तहत हो सकती है कार्रवाई भारत में गांजे और अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों की अवैध तस्करी, परिवहन तथा व्यापार पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सर्जस्टेंस अधिनियम, 1985 के तहत कानूनी प्रावधान लागू होते हैं। नज़रे देखें इस कानून के तहत नशीले पदार्थों की प्रकृति, मात्रा और संबंधित अपराध की परिस्थितियों के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

मामले में जांच एजेंसियां बरामद पदार्थ की प्रकृति और संदिग्ध व्यक्तियों की भूमिका का परीक्षण करेंगी। यदि जांच में अवैध तस्करी की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। तस्करी के स्रोत और अंतिम ठिकाने का पता लगाने की कोशिश डीआरआई के सामने अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि लगभग तीन करोड़ रुपये की गांजे की खेप किसने भेजी थी और भारत में इसे किसे सौंपा जाना था। जांच एजेंसियां हिरासत में लिए गए

यात्रियों से पूछताछ के जरिए इन सवालों का जवाब तलाश रही हैं। इसके अलावा इस बात की भी जांच आवश्यक है कि क्या इसी तरह पहले भी नशीले पदार्थों की खेप भारत लाई गई थी। नज़रे देखें बैंकॉक से आने वाली उड़ानों में हाल के दिनों में गांजे की कई बरामदगियां सामने आने के कारण अंतरराष्ट्रीय तस्करी के संभावित नेटवर्क पर जांच एजेंसियों का ध्यान केंद्रित है। तीन करोड़ की ज़रती से तस्करी पर बड़ा प्रहार भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग तीन करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जप्त किए जाने को नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। डीआरआई ने तीन यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। प्रारंभिक जांच में खेप को सड़क मार्ग से कोलकाता पहुंचाने की आशंका सामने आई है। हालांकि, नशीले पदार्थों का वास्तविक स्रोत, अंतिम गंतव्य और इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही यह सामने आ सकेगा कि यह तस्करी की अलग घटना थी या किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा।

आरएसपी ने पीएम-सेतु योजना के क्रियान्वयन हेतु ओडिशा सरकार के डीटीईटी के साथ समझौता ज़ापन पर किए हस्ताक्षर

राउरकेला २१/१० (संवाददाता): सेल के राउरकेला स्टील प्लांट (आर एसपी) ने ओडिशा सरकार के तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय के साथ पीएम-सेतु योजना के क्रियान्वयन हेतु एक समझौता ज़ापन पर हस्ताक्षर किए। यह पहल उद्योग और आईटीआई के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने तथा उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौता ज़ापन पर सेल, आरएसपी के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), श्री मानस रंजन रथ तथा ओडिशा सरकार के डीटीईटी के निदेशक श्री सी. एस. रावैर, आईएस ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास), श्री आर. के. वर्मा



और सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास), श्री डी. साहू भी उपस्थित थे। समझौता ज़ापन के तहत, सेल, आरएसपी योजना के क्रियान्वयन में एंकर इंस्ट्रूटी पार्टनर/इंडस्ट्री पार्टनर की भूमिका निभाएगा और निर्धारित औद्योगिक अंशदान में योगदान देगा। आरएसपी अपनी तकनीकी विशेषज्ञता, प्रबंधकीय क्षमताओं, औद्योगिक अनुभव, विज्ञीय संसाधनों और संस्थागत संपर्कों का उपयोग करते हुए इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन तथा दीर्घकालिक स्थिरता को सुनिश्चित करने में सहयोग करेगा। इस

समझौता ज़ापन पर हस्ताक्षर सेल, आरएसपी की कौशल भारत मिशन तथा युवाओं के कौशल विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस सहयोग के माध्यम से इस्पात उद्योग की विशेषज्ञता और तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को एक साथ लाया जाएगा। इससे विशेष रूप से इस्पात एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए कुशल, सक्षम और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यबल तैयार करने में मदद मिलने की उम्मीद है। साथ ही, यह पहल देश के व्यापक कौशल विकास तंत्र को भी सुदृढ़ करेगी।

ओडिशा के रैराखोल वन प्रभाग में बीमार हाथी की मौत

संबलपुर २१/१० (संवाददाता): लगभग नौ दिनों से नाकटीदेउल और गिरिशचंद्रपुर पर्वतमाला के जंगलों में घूम रहे एक बीमार हाथी की रविवार सुबह मौत हो गई, जिससे अवैध शिकार की चर्चा शुरू हो गई। अधिकारियों ने ऐसी बातों को अफवाह कहकर खारिज कर दिया। सूत्रों के अनुसार, हाथी, जिसकी उम्र लगभग 15 वर्ष बताई गई है, कथित तौर पर कई दिनों से गंभीर हालत में देखा गया था। वन अधिकारियों ने कहा कि वे स्थानीय निवासियों से सूचना मिलने के बाद झेन का उपयोग करके हाथी की गतिविधियों की निगरानी कर रहे थे। शनिवार को मीडिया रिपोर्टों के बाद विभाग ने जानवर का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए। अधिकारी कथित तौर



पर इलाज के लिए रविवार को हाथी को शांत करने की योजना बना रहे थे। रायराखोल प्रभागीय वन अधिकारी इलावरसन के और विशेषज्ञों की एक टीम ने हाथी की मौत की जांच शुरू की। स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया है कि हाथी को पहले ज्यों नहीं खोजा जा सका और उसका इलाज ज्यों नहीं किया जा सका। डीएफओ एलावरसन के ने कहा, हाथी के शरीर के आसपास कई चोटें थीं,

जिसमें सिर के पास एक ताजा चोट भी शामिल है, जो किसी अन्य हाथी के साथ लड़ाई का संकेत देती है। निगरानी के दौरान इसके साक्ष्य भी दर्ज किए गए हैं। अवैध शिकार के आरोप महज अफवाह हैं और उसके शरीर पर ऐसी कोई चोट नहीं पाई गई। ज्या हाथी की मौत आपसी लड़ाई के कारण किसी आंतरिक चोट के कारण हुई है, यह केवल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता लगाया जा सकता है।

पड़ोसियों के बीच विवाद, युवक की गई जान

दिगापहांडी २१/१० (संवाददाता): गंजाम जिले के पोछामारी गांव में मंगलवार को दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुए विवाद के बाद, 32 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर काटकर हत्या कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, यह घटना सोमवार रात करीब 11 बजे सनाखेमुंडी ज्लांक के धीमिरा साही में हुई। पीड़ित की पहचान सुदर्शन बेहरा के रूप में हुई है। उसे गंभीर हालत में पहले दिगापहांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, बाद में उसे ब्रह्मपुर के रघुएल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक पिता, उसके दो बेटे और पोछामारी के बाजार साही का एक अन्य युवक शामिल है। जांच के तहत उनसे पूछताछ की जा रही है। एक फॉरेंसिक टीम ने पुलिस की मौजूदगी में घटनास्थल की जांच की और सबूत जुटाने की प्रक्रिया के तहत खून से सनी मिट्टी को अपने कज्जे में लिया। सूत्रों के मुताबिक, यह हिंसा मृतक विजय बेहरा की पत्नी संजू बेहरा और उनके पड़ोसी आर. हरि पात्रा के परिवार के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का नतीजा थी। बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात दोनों परिवारों के सदस्यों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। पुलिस का कहना है कि घटनाक्रम का पता लगाने और हिरासत में लिए गए लोगों की सटीक भूमिका तय करने के लिए जांच चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, यह हिंसा मृतक विजय बेहरा की पत्नी संजू बेहरा और उनके पड़ोसी आर. हरि पात्रा के परिवार के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का नतीजा थी।

महिला से १५ लाख की साइबर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर २१/१० (संवाददाता):ओडिशा में पुरी जिला पुलिस ने एक वैवाहिक ऐप पर छज़ीसगढ़ सरकार में अतिरिक्त सचिव स्तर का अधिकारी बनकर एक महिला से कथित तौर पर 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक साइबर जालसाज को गिरफ्तार किया है, पुरी एसपी प्रतीक सिंह ने कहा। आरोपी की पहचान 44 वर्षीय बलभद्र प्रसाद मिश्रा के रूप में हुई है, जो ओडिशा के अनुगोला जिले में टाउन पुलिस सीमा के अंतर्गत मटियासाही का निवासी है। मिश्रा ने कथित तौर पर खुद को भारत मैट्रिमोनी ऐप पर पंजीकृत किया और खुद को छज़ीसगढ़ सरकार में अतिरिक्त सचिव स्तर के अधिकारी के रूप में महिला

नर्स के रूप में पेश किया। उसने उसके साथ संबंध भी बनाए। सिंह के अनुसार, पीड़ित नर्स की शिकायत के बाद 13 अक्टूबर को पुरी के साइबर अपराध और ईओ पुलिस स्टेशन में मामला (31/26) दर्ज किया गया था। आरोपी ने कथित तौर पर उसकी बहन को नौकरी दिलाने का वादा करके पैसे लिए और बाद में जब उसे उस पर शक होने लगा तो उसने उसे केबीके क्षेत्र में स्थानांतरित कराने की धमकी दी। पुरी एसपी ने कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर महिला को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में तीन बैंक खाते खोलने के लिए मजबूर किया। सिंह ने कहा, कुछ दिनों बाद, पीड़िता को पता

चला कि इन बैंक खातों के माध्यम से उसके नाम पर 13 लाख रुपये से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया था। उन सभी ऋण राशि को आरोपी ने वापस ले लिया और उसका उपयोग किया। इसके बाद, उसने हमसे संपर्क किया और मामला दर्ज कराया। उन्होंने आगे खुलासा किया कि आरोपी ने टोयोटा कार खरीदने और होटल में ठहरने और हवाई यात्रा सहित एक शानदार जीवन शैली बनाए रखने पर पैसा खर्च किया। सिंह ने कहा कि पुलिस ने उसके कज्जे से 14 बैंक पासबुक, नौ चेक बुक, 17 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, छह मोबाइल फोन और 10,000 रुपये नकद जप्त किए। एसपी ने आगे कहा कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी

और जालसाजी से संबंधित मामले पहले संबलपुर और शहीद नगर, हवाई अड्डे और भुवनेश्वर के लिंगराज पुलिस स्टेशनों में दर्ज किए गए थे। आगे की पूछताछ करने पर, यह पता चला कि उसके 12 खाते विभिन्न राज्यों में फ्रीज कर दिए गए हैं। चूंकि उसके खाते अन्य राज्यों में फ्रीज कर दिए गए हैं, इसलिए यह संदेह है कि वह एक अंतरराज्यीय धोखाधड़ी रैकेट चला रहा है। हम जांच में गहराई से उतरेंगे, अन्य राज्यों के साथ समन्वय करेंगे और पता लगाएंगे कि उसने और कहाँ और कितनी अन्य महिलाओं को धोखा दिया है, कितने राज्यों में उसकी गतिविधियां फैली हुई हैं, और उसने कितने लोगों को धोखा दिया है, पुरी एसपी ने कहा।

आरएसपी द्वारा वेंडर विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित

राउरकेला २१/१० (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर 13 अक्टूबर 2026 को समाधान सम्मेलन कक्ष में विक्रेताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं के साथ एक विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। ‘समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा’ विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, व्यावसायिक लेन-देन में पारदर्शिता को बढ़ावा देना तथा शिकायतों के निवारण के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन सतर्कता विभाग एवं सामग्री प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जन समूह को संबोधित करते हुए आर.एस.पी. के कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), श्री अनिल कुमार ने संयंत्र और उसके प्रमुख विक्रेताओं के बीच सुदृढ़ एवं पारदर्शी साझेदारी के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम



का शुभारंभ मुख्य महा प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), श्री टी.विनोद के स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात सतर्कता सत्यनिष्ठा की संकल्प ग्रहण करया गया। इस अवसर पर आर.एस.पी. के महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं सहायक मुख्य सतर्कता अधिकारी (ए.सी.वी. ओ.), श्री रंजन भारती तथा मुख्य महा प्रबंधक (सी.सी.), श्री आलोक कुमार बेहरा ने भी अपने विचार व्यक्त किए और औद्योगिक कार्य-संचालन में नैतिकता की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। सामग्री

प्रबंधन एवं सतर्कता विभागों के प्रतिनिधियों ने विक्रेता विकास तथा निवारक सतर्कता संबंधी पहलों पर संक्षिप्त प्रस्तुतियां भी प्रदान की गईं। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण खुला विचार-विमर्श सत्र रहा, जिसमें राउरकेला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (आर.सी.सी.आई.), डिस्ट्रिक्ट स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (डी.एस.एस. आई.ए.), ओडिशा असेंबली ऑफ स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (ओ.ए.एस. एम.ई.) तथा ओडिशा यंग

एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (ओ. वाई.ई.ई.ए.) के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विक्रेताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों एवं प्रस्तुत सुझावों पर क्रय, विपणन, अनुबंध प्रकोष्ठ तथा भंडार विभागों के विभागाध्यक्षों ने सीधे चर्चा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी।

कार्यक्रम का संचालन सहायक महा प्रबंधक (सतर्कता), श्री विक्रांत कुमार पटेल ने किया। अंत में महा प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन), श्री एस.भट्टाचार्य ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।